Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 24
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 31 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

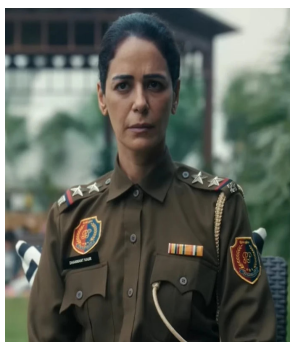

3 अजित पवार की विरासत अब सुनेत्रा पवार के .. 4 दिवस बहुत, बदलाव कम, क्या भारत आज... 7 ऑस्ट्रेलिया पर जीत को लेकर पाकिस्तान...

'घुसपैठ सिर्फ भाजपा रोक सकती है', शाह का दावा- असम के 7 जिलों में 64 लाख घुसपैठियों

डिब्रूगढ़ **(एजेंसी)**। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस के 20 साल के शासनकाल में असम की जनसंख्या संरचना में बदलाव आया है और उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य के सात जिलों में 64 लाख घुसपैठियों का दबदबा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि घुसपैठ को केवल भाजपा ही रोक सकती है और जनता से आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी को फिर से चुनने का आग्रह किया। अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास स्थित धेमाजी में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि असम में घुसपैठ की प्रवृत्ति को केवल भाजपा ही पलट सकती है।

अमित शाह ने कहा कि आज मैं असम में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों के बारे में भी बात करना चाहता हूँ। हिमंता जी ने कहा है कि आपने यहाँ घुसपैठियों को रोक दिया है, लेकिन मिसिंग समुदाय की ज़िम्मेदारी सिर्फ़ इस क्षेत्र में घुसपैठियों को रोकना नहीं है। मिसिंग समुदाय की ज़िम्मेदारी पूरे असम को घुसपैठियों से मुक्त करना है। हमारे सात ज़िले धुबरी, बारपेटा, दरांग, मोरीगाँव, बोंगाईगाँव, नागांव और गोलपारा। आज ये ज़िले घुसपैठियों के वर्चस्व वाले हो गए हैं। शाह ने दावा किया कि कांग्रेस के बीस साल के शासनकाल में, इन सात जिलों में, जहाँ पहले घुसपैठियों की आबादी न के बराबर थी, अब 64 लाख घुसपैठिए हो गए हैं। अगर हमें घुसपैठियों को रोकना है, तो हमें क्या करना होगा? मैं यह नहीं कह रहा कि मेरे युवा हथियार उठाकर घुसपैठियों को रोकने के लिए सीमा पर चले जाएँ। हिमंता बिस्वा सरमा की सरकार यह काम करेगी, चिंता न करें। लेकिन अगर आप घुसपैठियों को रोकना चाहते हैं, तो आगामी चुनावों में एक बार फिर भाजपा को अपना समर्थन दें। भारतीय जनता पार्टी की सरकार को चुनें। मित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार असम में जनसांख्यिकीय बदलाव का मुकाबला करने के लिए कई उपाय कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की लगातार दो सरकारों ने घुसपैठियों द्वारा कथित अतिक्रमण से लगभग 1.26 लाख एकड़ भूमि मुक्त कराई है।

बीटिंग रिट्रीट से राहुल गांधी नदारद, भाजपा का तंज- 'देश को आराम-प्रचार वाला नेता नहीं चाहिए'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी गुरुवार को नई दिल्ली के विजय चौक पर आयोजित 'बीटिंग रिट्रीट' समारोह में शामिल न होने के कारण आलोचनाओं के घेरे में आ गए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता जयवीर शेरगिल ने गांधी की इस बात पर तीखी टिप्पणी की कि उन्होंने बीटिंग रिट्रीट समारोह के साथ-साथ उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह, स्वतंत्रता दिवस समारोह और भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के शपथ ग्रहण समारोह जैसे अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भी भाग नहीं लिया।

शेरगिल ने एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी द्वारा छोड़ी गई घटनाएं: बीटिंग रट्रीट, उपराष्ट्रपति का शपथ ग्रहण समारोह, स्वतंत्रता दिवस समारोह, भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का शपथ ग्रहण समारोह।

उन्होंने मलेशिया, वियतनाम और कोलंबिया में भाग लिया।' उन्होंने यह भी कहा कि भारत को विपक्ष के नेता की जरूरत है, न कि आराम और प्रचार करने वाले नेता की। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं था, क्योंकि राहुल गांधी को इससे पहले इस साल की शुरुआत में स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल न होने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था, खबरों के अनुसार बैठने की व्यवस्था से असंतोष के कारण।

इस बीच, 77वें गणतंत्र दिवस समारोह का समापन गुरुवार को विजय चौक पर पारंपरिक बीटिंग रिट्रीट समारोह के साथ हुआ, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैन्य और अर्धसैनिक बैंडों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके कौशल और राष्ट्र के इतिहास के महत्वपूर्ण क्षणों को सम्मान देने के तरीके की प्रशंसा की।

डीसीडब्ल्यू में अध्यक्ष पद खाली, ऑफिस पर ताला! उच्च न्यायालय में पीआईएल, सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) के लंबे समय से निष्क्रिय रहने को उजागर करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए जिम्मेदार वैधानिक निकाय डीसीडब्ल्यू कथित तौर पर लंबे समय से अनुपलब्ध और निष्क्रिय है, और शिकायतें प्राप्त करने के लिए कोई सक्रिय हेल्प डेस्क, अधिकारी या कर्मचारी मौजूद नहीं हैं। सांसद सुधाकर सिंह द्वारा दायर और अधिवक्ता सत्यम सिंह राजपूत द्वारा प्रतिनिधित्व की गई इस जनहित याचिका में दावा किया गया है कि डीसीडब्ल्यू का कार्यालय कार्य समय के दौरान बंद रहता है, और अध्यक्ष का पद जनवरी 2024 से रिक्त है, जिसके कारण परिवार परामर्श इकाइयों और

बलात्कार संकट प्रकोष्ठों जैसी आवश्यक सेवाएं ठप हो गई हैं। यह निष्क्रियता कथित तौर पर संविधान के अनुच्छेद 14, 15(3) और 21 का उल्लंघन करती है, जिससे महिलाओं को न्याय और संरक्षण से वंचित किया जाता है।

याचिका के अनुसार, डीसीडब्ल्यू का कार्यालय कथित तौर पर कार्य समय के दौरान बंद रहता है, और सहायता चाहने वाली महिलाओं की शिकायतों को प्राप्त करने या उन पर कार्रवाई करने के लिए कोई कार्यात्मक हेल्पडेस्क, अधिकारी या कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं। याचिका में आगे कहा गया है कि जनवरी 2024 से अध्यक्ष का पद रिक्त है, जिसके परिणामस्वरूप नेतृत्व, प्रशासनिक जवाबदेही और प्रभावी निगरानी का पूर्ण अभाव है। याचिका में दावा किया गया है कि इस नेतृत्वहीनता के कारण परिवार परामर्श इकाइयों, बलात्कार संकट प्रकोष्ठों, संकट हस्तक्षेप सेवाओं और शिकायत निवारण प्रणालियों सहित आवश्यक वैधानिक तंत्र ध्वस्त हो गए हैं - जिससे महिलाओं को महत्वपूर्ण संस्थागत सहायता से वंचित होना पड़ा है।

याचिका में यह भी कहा गया है कि स्थिति विशेष रूप से गंभीर है क्योंकि दिल्ली में देश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की संख्या सबसे अधिक है।

फडणवीस बोले- मैं उपमुख्यमंत्री पद के लिए एनसीपी और पवार परिवार के फैसले का समर्थन करूंगा

मुंबई। महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चाओं के बीच शुक्रवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भाजपा दिवंगत अजित पवार के परिवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय का समर्थन करेगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सीएम फडणवीस ने कहा, 'एनसीपी उपमुख्यमंत्री पद के लिए जो भी फैसला लेगी, सरकार और भाजपा उस फैसले का समर्थन करेंगे।

'हम अजित दादा के परिवार और एनसीपी के साथ खड़े हैं'

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि हम अजित दादा के परिवार और एनसीपी के साथ खड़े हैं। इस सवाल पर कि क्या एनसीपी की ओर से कोई प्रस्ताव आया है, इस पर फडणवीस ने कहा कि एनसीपी नेताओं ने विकल्पों पर उनसे दो बार चर्चा की है। उन्होंने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से इस पर गौर करूंगा और संबंधित प्रक्रियाओं को पूरा करूंगा, और अंत में हम तय करेंगे कि क्या करना है।

कल उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकती हैं सुनेत्रा

एनसीपी के सूत्रों ने बताया कि राज्यसभा सदस्य एवं दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार शनिवार को महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकती हैं। वित्त मंत्रालय का प्रभार अजित पवार के पास था और ऐसे में बजट कौन पेश करेगा, इस सवाल पर

फडणवीस ने कहा कि अजित पवार ने बजट की काफी तैयारी कर ली थी।

एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि सुनेत्रा को उप मुख्यमंत्री बनाने को लेकर मुख्यमंत्री फडणवीस से बात की है। पटेल के नेतृत्व में छगन भुजबल, प्रदेश एनसीपी इकाई के अध्यक्ष सुनील तटकरे और पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे उस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे। सीएम से मुलाकात के बाद भुजबल ने स्पष्ट कहा कि सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनाना हमारी प्राथमिकता है। शनिवार को विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि अगर एनसीपी इस बारे में फैसला लेती है, तो उन्हें सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री के तौर पर शनिवार को ही शपथ दिलाने में कोई दिक्कत नहीं है।

पीएम ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति से फोन पर की बात, द्विपक्षीय साझेदारी मजबूत करने पर चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से बात की। यह पहली बार था, जब अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार किए जाने के बाद दोनों नेताओं ने बात की।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में क्या कहा?

एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से बात हुई। उन्होंने आगे कहा, हमने सभी क्षेत्रों में अपनी द्विपक्षीय साझेदारी को और गहरा करने व विस्तार देने पर सहमति जताई है, ताकि आने वाले वर्षों में भारत-वेनेजुएला संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सके।

डेल्सी ने मादुरो की गिरफ्तारी के दो दिन बाद संभाला था कार्यभार

डेल्सी रोड्रिगेज ने पांच जनवरी को वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में पद संभाला था। इससे दो दिन पहले अमेरिकी सेना ने उनके पूर्ववर्ती निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया था और उन्हें मुकदमे का सामना कराने के लिए न्यूयॉर्क ले जाया गया।

कर्नाटक बिल विवाद : मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा पर फोड़ा ठीकरा, विपक्ष बोला- ये 'लूट वाली सरकार' है

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने ठेकेदारों के लंबित बिलों का दोष भाजपा पर मढ़ा है। कर्नाटक ठेकेदार संघ द्वारा लगभग 38, 000 करोड़ रुपये के बकाया होने का आरोप लगाने के एक दिन बाद, भाजपा ने इस मुद्दे को भुनाते हुए सरकार पर हमला बोला। हालांकि, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दावा किया कि इन बिलों का एक बड़ा हिस्सा भाजपा के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के कार्यकाल से बकाया है। सिद्धारमैया ने कहा कि ये लंबित बिल भाजपा ने छोड़े हैं। यह सच है कि बिल लंबित हैं, लेकिन इन्हें भाजपा ने ही छोड़ा है। मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा 38, 000 करोड़ रुपये में से 20, 000 करोड़ रुपये भाजपा सरकार से आए हैं, जबकि बाकी हमारी सरकार से आए हैं... उनके शासनकाल में ही एक करोड़ रुपये के बिल बन गए। अब तो बहुत ज्यादा रकम जमा हो गई है... हमें इन सभी चीजों का ध्यान रखना होगा।

भाजपा नेता डॉ. सीएन अश्वथ नारायण ने कहा कि जब भाजपा के कार्यकाल में ठेकेदारों ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे, तब कांग्रेस ने इसे चुनावी मुद्दा बना दिया था, लेकिन अब वही लोग कांग्रेस सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। जब भी कोई निविदा जारी होती है, यह स्पष्ट होता है कि भुगतान समय सीमा के भीतर किया जाना चाहिए। अन्यथा, ठेकेदार अपना काम पूरा नहीं कर सकता, और न ही हम गुणवत्तापूर्ण काम की उम्मीद कर सकते हैं... इस दिशा में, सरकार को अधिक जिम्मेदार बनना होगा और समय पर भुगतान सुनिश्चित करना होगा... वे (सरकारी अधिकारी) पूरी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं... भ्रष्टाचार के कई आरोप हैं... पिछले विधानसभा चुनाव में, कांग्रेस ने इसे एक बड़ा मुद्दा बनाया था... हमारे कार्यकाल के दौरान ठेकेदार बार-बार उनकी आवाज बने और कांग्रेस के प्रवक्ता के रूप में काम करते रहे। लेकिन आज, वही लोग इस सरकार पर सवाल उठा रहे हैं... स्पष्ट रूप से, यहाँ के बिचौलिए हर तरह की रकम की मांग कर रहे हैं... यह सरकार एक एटीएम बन गई है, जो केवल ठेकेदारों को लूट

रही है और उनका जीवन दयनीय बना रही है।

सरकारी ठेकेदारों के कथित विलंबित भुगतान का मुद्दा भाजपा और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के बीच एक बड़े राजनीतिक टकराव में तब्दील हो गया है। भाजपा ने अब इस अवसर का लाभ उठाते हुए आरोप लगाया है कि राज्य में अभूतपूर्व भ्रष्टाचार फैला हुआ है। भाजपा नेता अरविंद बेल्लाड ने कहा, 'कर्नाटक कांग्रेस पार्टी के लिए एटीएम बन गया है। एक ओर सिद्धारमैया अपनी कुर्सी बरकरार रखने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर डीके शिवकुमार अगले मुख्यमंत्री बनने की होड़ में हैं। दोनों ने जनता को लूटना और उनका शोषण करना शुरू कर दिया है। इस प्रक्रिया में कर्नाटक को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है... कर्नाटक ठेकेदार संघ के अध्यक्ष ने दावा किया है कि राजनेताओं, यानी कांग्रेस को दी जाने वाली कुल कमीशन 60इ तक पहुंच गई है। भारत में इस तरह का भ्रष्टाचार पहले कभी नहीं देखा गया। डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया की इस होड़ में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है।

कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ ने पहले दावा किया था कि सरकार पर उनका लगभग 38, 000 करोड़ रुपये का बकाया है और यदि बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया तो वे काम बंद कर देंगे। कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ के अध्यक्ष मंजुनाथ ने कहा कि ठेकेदारों का 38, 000 करोड़ रुपये का बकाया है। मुख्यमंत्री से कई बार अनुरोध करने के बावजूद, हमारी कई समस्याएं अनसुलझी हैं। चिक्काबल्लापुर के ठेकेदार मुनेगौड़ा ने आज आत्महत्या का प्रयास किया। ठेकेदारों का बकाया जारी करने के लिए विभिन्न विभागों और मंत्रियों से कई बार अनुरोध किया गया है। सरकार ठेकेदारों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है। हम मुख्यमंत्री से ठेकेदारों की तत्काल बैठक बुलाने का आग्रह करते हैं। यदि ठेकेदारों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो फरवरी से काम बंद कर दिया जाएगा। हम 5 मार्च को हड़ताल करेंगे। हमने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी पत्र लिखा है।

ओबीसी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट की भाजपा सरकार को फटकार! सुनवाई में आने की बजाए बार बार वक्त मांग रहे सरकारी वकील

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश में 27इ ओबीसी आरक्षण से जुड़े बेहद संवेदनशील मामलों में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार की गंभीर लापरवाही उजागर हुई। न्यायमूर्ति नरसिंहा और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की खंडपीठ के समक्ष जब सीरियल नंबर 106 पर अंतिम बहस के लिए मामला पुकारा गया, तो राज्य सरकार की ओर से कोई भी अधिवक्ता मौजूद नहीं था। इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये पर शीर्ष अदालत ने नाराजगी जताते हुए खेद व्यक्त किया।

ओबीसी वर्ग के वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप जॉर्ज चौधरी ने सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि इस केस में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता समेत पांच वरिष्ठ वकीलों की नियुक्ति के बावजूद सुनवाई के वक्त अनुपस्थिति यह दर्शाती है कि सरकार ओबीसी आरक्षण को लेकर कितनी गंभीर है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अब तक हर पेशी पर सिर्फ समय मांगती रही है। मप्र महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एवं पिछड़ा वर्ग मोर्चा की उपाध्यक्ष विभा पटेल ने कहा कि यह महज लापरवाही नहीं बल्कि ओबीसी समाज के अधिकारों के प्रति भाजपा सरकार की जानबूझकर की गई उपेक्षा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आरक्षण के मुद्दे पर ओबीसी वर्ग को गुमराह कर रही है।

ओबीसी पक्ष के अधिवक्ताओं के विशेष अनुरोध पर सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 4 फरवरी 2026 तय की है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने स्वयं इन मामलों को हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर कराया था। हैरानी की बात यह है कि 27इ ओबीसी आरक्षण कानून पर न तो हाईकोर्ट का स्टे है और न ही सुप्रीम कोर्ट की रोक, इसके बावजूद सरकार 13इ पदों को होल्ड पर रखकर नियुक्तियां अटका रही है।

पवार के निधन के बाद एक्शन में एनसीपी, मंत्रालय पर दावे के लिए फडणवीस से मिले पार्टी के नेता

मुम्बई **(एजेंसी)**। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेताओं ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और पार्टी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के विभागों पर अपना दावा जताया। अजीत पवार का बुधवार को विमान दुर्घटना में निधन हो गया था। एनसीपी के वरिष्ठ नेता प्रफुल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल प्रमुख कैबिनेट पदों पर पार्टी का नियंत्रण बरकरार रखने के लिए फडणवीस के 'वर्षा' बंगले पर पहुंचे।

प्रफुल पटेल ने कहा कि हम पवार परिवार से बात करने के बाद और जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए जल्द ही फैसला लेंगे। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए पटेल ने कहा कि पार्टी इस पद को जल्द से जल्द भरना चाहती है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी निर्णय लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम महायुति गठबंधन के साझेदार हैं, इसलिए अजित पवार के पद को भरने के लिए हमें जल्द से जल्द सही निर्णय लेना होगा। उन्होंने आगे कहा कि साथ ही, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि कोई भी निर्णय लेने से पहले हमें जनभावना का ध्यान रखना होगा। हमें परिवार को उनके दुख से उबरने के लिए कुछ समय देना चाहिए। हम जल्द ही सुनेत्रा पवार और परिवार के साथ पार्टी के भविष्य के मार्ग पर चर्चा करेंगे। अजित पवार के अचानक निधन ने एनसीपी के भीतर कई अहम सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे शरद पवार के नेतृत्व वाले प्रतिद्वंद्वी गुट के साथ विलय की अटकलें फिर से तेज हो गई हैं। इससे पार्टी के भावी नेतृत्व को लेकर भी अनिश्चितता का माहौल बन गया है, क्योंकि अजीत पवार के निधन से एक बड़ा रिक्त स्थान उत्पन्न हो गया है। एनसीपी ने रविवार को विधायक दल की बैठक बुलाई है, जहां अजित पवार की पत्नी और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार के विधायक दल का नेता चुने जाने की संभावना है। एनसीपी सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का हिस्सा है, जिसमें भाजपा और शिवसेना भी शामिल हैं। शनिवार की बैठक में पार्टी के नए अध्यक्ष का चुनाव भी होने की उम्मीद है।

अनिल देशमुख का बड़ा दावा

अजित दादा की अंतिम इच्छा थी दोनों एनसीपी गुटों का विलय

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में अजित पवार के निधन के बाद हलचल तेज हो गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि दिवंगत अजित दादा पवार की यह दिली इच्छा थी कि एनसीपी के दोनों गुट एक साथ आएं। उनके मुताबिक, इस दिशा में लगभग फैसला हो चुका था और केवल औपचारिक घोषणा बाकी रह गई थी।

विलय को लेकर पहले ही बन चुकी थी सहमति

अनिल देशमुख ने कहा कि अजित दादा पवार ने एनसीपी और शरद पवार गुट के विलय के लिए कई दौर की बातचीत की थी। इसके लिए उनकी जयंत पाटिल समेत अन्य नेताओं के साथ बैठकें भी हुई थीं। देशमुख के अनुसार, पहले यह तय हुआ था कि नगर निकाय चुनावों के बाद, 20 जनवरी तक दोनों दलों के एक होने की घोषणा कर दी जाएगी। बाद में जिला परिषद चुनाव अचानक आने से यह फैसला टल गया और फरवरी के दूसरे सप्ताह तक इसका ऐलान होना था।

वडोदरा से विरार खंड पर कवच चार बिंदु शून्य का सफलतापूर्वक कमीशन

मुंबई (विरार) और अहमदाबाद रेलखंड हुआ कवच से पूर्णतः सुरक्षित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा रेल परिचालन में संरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वडोदरा से विरार खंड पर कवच चार बिंदु शून्य प्रणाली को सफलतापूर्वक कमीशन किया गया है। इसके साथ ही मुंबई (विरार) से अहमदाबाद तक का संपूर्ण रेलखंड कवच प्रणाली से सुसज्जित होकर पूर्ण रूप से सुरक्षित हो गया है।

इससे पूर्व पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल द्वारा वडोदरा से अहमदाबाद खंड पर कवच प्रणाली को चालू किया गया था तथा अब सूरत और वडोदरा खंड पर भी इसे कमीशन कर दिया गया है। इस प्रकार विरार से अहमदाबाद तक का पूरा मार्ग कवच प्रणाली के अंतर्गत आ गया है।

वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने मुंबई से कवच प्रणाली से युक्त होकर चलने वाली पहली ट्रेन के वडोदरा आगमन के अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि पश्चिम रेलवे के नागदा से वडोदरा, सूरत, विरार और मुंबई सेंट्रल खंड पर कवच प्रणाली को लागू करने की स्वीकृति दी गई है। वडोदरा से सूरत और विरार खंड पर इस कार्य की शुरुआत पूर्व में

की गई थी और अब इसे सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

विरार से वडोदरा खंड पर स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' के अंतर्गत अनेक स्टेशनों को कवर किया गया है, बड़ी संख्या में टावर स्थापित किए गए हैं तथा लंबी दूरी तक ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई है। इस खंड पर कवच प्रणाली के कमीशन होने से रेल संरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा उच्च गति पर भी सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

मंडल रेल प्रबंधक ने यह भी बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के मार्गदर्शन में भारतीय रेलवे द्वारा तकनीकी क्षेत्र में साकार किया जा रहा है। कवच एक स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जो सिग्नल उल्लंघन की रोकथाम के साथ-साथ स्वचालित गति नियंत्रण तथा आमने-सामने और पीछे से होने वाली टक्करों से सुरक्षा प्रदान करती है।

यह प्रणाली ट्रैक पर लगाए गए पहचान टैग तथा ट्रैक, सिग्नल और लोकोमोटिव के बीच संचार के लिए उन्नत रेडियो तकनीक का उपयोग करती है, जिससे लोको पायलट को केबिन में वास्तविक समय की जानकारी मिलती रहती है। यह प्रणाली सुरक्षित और अधिक कुशल रेल यात्रा के लिए एक सतर्क प्रहरी की भांति कार्य करती है।

वर्तमान में कवच प्रणाली विद्युत इंजनों पर सक्षम है और निकट भविष्य में इसे अन्य इंजनों पर भी लागू किया जाएगा। लोकोमोटिव पर कवच लगाने का कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है और पश्चिम रेलवे इस प्रणाली को शीघ्रातिशीघ्र पूरे ब्रॉड गेज मार्ग पर लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह उपलब्धि सुरक्षित, आधुनिक और आत्मनिर्भर भारतीय रेलवे की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के पुनर्विकास कार्य के संबंध में सीएसएमटी, प्लेटफार्म संख्या 16 और 17 पर ट्रैफिक एवं पॉवर ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के पुनर्विकास कार्य के संबंध में मध्य रेल सीएसएमटी के प्लेटफार्म संख्या 16 और 17 पर ट्रैफिक एवं पॉवर ब्लॉक परिचालित करेगा।

ब्लॉक के दौरान प्लेटफार्म संख्या 16 और 17 पर आधारभूत कार्य और आवश्यक गतिविधियाँ की जाएंगी।

ब्लॉक की अवधि 85 दिन यानी दिनांक 01.02.2026 से दिनांक 26.04.2026 तक रहेगी।

ब्लॉक की अवधि के दौरान, प्लेटफार्म संख्या 16 और 17 से रेल परिचालन 01.02.2026 से कार्य पूर्ण होने और आरएलडीए द्वारा प्लेटफार्म को यातायात परिचालन के लिए सौंपे जाने तक निलंबित रहेगा।

निम्नलिखित अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की यात्रा दिनांक 01.02.2026 से अगली सूचना तक दादर में ही समाप्त (टर्मिनेट) कर दी जाएगी:

ट्रेन संख्या 12112 अमरावती-सीएसएमटी एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 11002 बल्लारशाह-सीएसएमटी नंदीग्राम एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 12810 हावड़ा-सीएसएमटी एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 11020 भुवनेश्वर-सीएसएमटी कोणार्क एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 22144 बीदर-सीएसएमटी एक्सप्रेस / ट्रेन संख्या 22108 लातूर-सीएसएमटी एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 22120 मडगांव-सीएसएमटी तेजस एक्सप्रेस

अगली सूचना तक ठाणे में निम्नलिखित ट्रेनों का शॉर्ट टर्मिनेशन:

ट्रेन संख्या 12134 मंगलुरु-सीएसएमटी एक्सप्रेस

बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ये ब्लॉक अति आवश्यक हैं। यात्रियों से किसी भी असुविधा के लिए सहयोग की अपेक्षा है।

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के बीच दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के बीच चल रही दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

1.ट्रेन संख्या 09085/09086 मुंबई सेंट्रल - इंदौर त्रि-साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09085 मुंबई सेंट्रल - इंदौर त्रि-साप्ताहिक स्पेशल को 27 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09086 इंदौर - मुंबई सेंट्रल त्रि-साप्ताहिक स्पेशल को 28 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

2.ट्रेन संख्या 09057/09058 सूरत - मंगलुरु द्वि-साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09057 सूरत - मंगलुरु द्वि-साप्ताहिक स्पेशल को 25 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09058 मंगलुरु - सूरत द्वि-साप्ताहिक स्पेशल को 26 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, ट्रेन संख्या 09057 सूरत - मंगलुरु स्पेशल के समय में संशोधन किया गया है और अब यह ट्रेन सूरत से 19:40 बजे के बजाय 19:35 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09058 मंगलुरु - सूरत स्पेशल अब मंगलुरु से 22:10 बजे के बजाय 22:30 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेन संख्या 09085, 09086 एवं 09057 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 31 जनवरी, 2026 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा 1 फरवरी 2026 को चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल के बीच जम्बो ब्लॉक

आवश्यक अनुरक्षण कार्य हेतु अप एवं डाउन फास्ट लाइनों पर पाँच घंटे का ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा रविवार, 1 फरवरी 2026 को चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन फास्ट लाइनों पर ट्रैक, सिगनलिंग प्रणाली तथा ओवरहेड उपकरणों के अनुरक्षण हेतु जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा। यह ब्लॉक 10:35 बजे से 15:35 बजे तक कुल पाँच घंटे को होगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान सभी फास्ट लाइन की ट्रेनें चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच स्लो लाइनों पर चलाई जाएँगी।

इसके अलावा, कुछ अप एवं डाउन उपनगरीय सेवाएँ निरस्त रहेंगी, जबकि चर्चगेट की ओर जाने वाली कुछ ट्रेनों को बांद्रा/दादर पर ही शॉर्ट-टर्मिनेट कर वहीं से रिर्टन चलाया जाएगा। प्रभावित ट्रेनों की विस्तृत सूची उपनगरीय खंड के सभी स्टेशनों पर स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध रहेगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखें और तदनुसारद अपनी यात्रा की योजना बनाएँ।

मध्य रेल, मुंबई मंडल पर रविवार को मेगा ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल, मुंबई मंडल 1 फरवरी 2026 को विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए अपने उपनगरीय खंडों पर मेगा ब्लॉक परिचालित करेगा, विवरण इस प्रकार है: मेन लाइन ठाणे और कल्याण स्टेशनों के बीच अप और डाउन फास्ट लाइन 10:40 बजे से 15:40 बजे तक

सुबह 9:34 बजे से दोपहर 15:03 बजे तक सीएसएमटी,मुंबई से प्रस्थान करने वाली डाउन फास्ट/सेमी-फास्ट लोकल सेवाएं ठाणे और कल्याण स्टेशनों के बीच डाउन स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी। ये ट्रेनें अपने निर्धारित ठहरावों के अतिरिक्त कालवा, मुंब्रा और दिवा स्टेशनों पर रुकेंगी और अपने गंतव्य पर निर्धारित समय से 10 मिनट देरी से पहुंचेंगी।

सुबह 10.28 बजे से दोपहर 15.40 बजे तक कल्याण से प्रस्थान करने वाली अप फास्ट/सेमी-फास्ट ट्रेनें कल्याण और ठाणे स्टेशनों के बीच अप स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी। ये ट्रेनें अपने निर्धारित ठहरावों के अलावा दिवा, मुंब्रा और कालवा स्टेशनों पर रुकेंगी और मुलुंड स्टेशन पर अप फास्ट लाइन पर पुनः डायवर्ट की जाएंगी। ये ट्रेनें अपने निर्धारित समय से 10 मिनट देरी से गंतव्य पर पहुंचेंगी।

सीएसएमटी/दादर से चलने वाली डाउन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को ठाणे और कल्याण स्टेशनों के बीच पांचवीं लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा।

सीएसएमटी/दादर पहुंचने वाली अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को कल्याण और ठाणे/विक्रोली स्टेशनों के बीच छठी लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा।

कुर्ला और वाशी स्टेशनों के बीच अप और डाउन हार्बर लाइनें 11:10 बजे से 16:10 बजे तक

सीएसएमटी मुंबई से वाशी/बेलापुर/पनवेल जाने वाली डाउन हार्बर लाइन सेवाएं 10:34 बजे से 15:36 बजे तक और पनवेल/बेलापुर/वाशी से सीएसएमटी मुंबई की ओर जाने वाली अप हार्बर लाइन सेवाएं 10:17 बजे से 15:47 बजे तक रद्द रहेंगी

ब्लॉक अवधि के दौरान सीएसएमटी मुंबई - कुर्ला और पनवेल - वाशी खंडों पर विशेष उपनगरीय ट्रेन सेवाएं चलेंगी।

पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकारों को विधिवत संभालते हुए महाप्रबंधक के दायित्वों का निर्वहन करेंगे

पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार ने रेलवे बोर्ड द्वारा प्रदत्त अधिकारों के अनुसार पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकारों का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

श्री प्रदीप कुमार भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरिंग सेवा के वरिष्ठ अधिकारी हैं।

उन्हें भारतीय रेल में तीन दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव प्राप्त है। अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने पश्चिम रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे, ईस्ट कोस्ट रेलवे तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सहित विभिन्न जोनल रेलों पर महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदार पदों पर कार्य किया है।

श्री प्रदीप कुमार ने अपने कार्यकाल में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएँ दी हैं, जिनमें कैरिज वर्कशॉप, अजमेर में प्रोडक्शन इंजीनियर; कोटा में मंडल यांत्रिक इंजीनियर (कैरिज एवं वैगन); वडोदरा में मंडल यांत्रिक इंजीनियर; पश्चिम रेलवे में उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (योजना), उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (वर्कशॉप) तथा मुंबई के कैरिज रिपेयर वर्कशॉप में उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (उत्पादन) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने कोटा के वैगन रिपेयर शॉप में उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (मरम्मत) तथा वरिष्ठ ईडीपीएम के रूप में भी कार्य किया है। श्री प्रदीप कुमार ने कई महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी पदों पर भी कार्य किया है, जिनमें दक्षिण पूर्व रेलवे, कोलकाता में मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर; भारतीय रेल यांत्रिक एवं विद्युत इंजीनियरिंग संस्थान, जमालपुर में वरिष्ठ प्रोफेसर; ईस्ट कोस्ट रेलवे के संबलपुर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी के पद शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे

सिग्नल स्टोर बिल्डिंग और कवर्ड शेड का प्रावधान

डिविजनल रेलवे मैनेजर (WA), वेस्टर्न रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400 008, ई-टेंडर नोटिस नंबर:BCT/25-26/306 दिनांक 27.01.2026 आमंत्रित करते हैं। **काम और स्थान:** वेस्टर्न रेलवे के उकाईसोंगढ़ जलगाँव सेक्शन के बीच सीनियर DEN (E) मुंबई सेंट्रल के अधिकार क्षेत्र में SSE/SIG/STORE/ नंदुरबार के सुधार कार्य सहित नए सिग्नल स्टोर बिल्डिंग और कवर्ड शेड का प्रावधान, जिसमें इलेक्ट्रिकल काम भी शामिल है। **काम की अनुमानित लागत:** - 3,08,84,758.97। EMD: 3,04,400/-। **जमा करने की तारीख और समय:** 24.02.2026 को 15:00 बजे तक। **खोलने की तारीख और समय:** 24.02.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। मैनुअल ऑफर पर विचार नहीं किया जाएगा। 1064

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

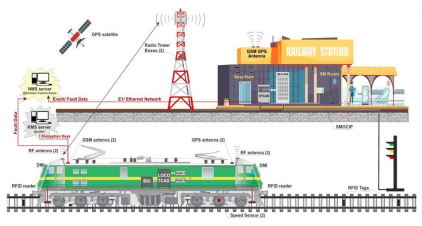

पश्चिम रेलवे

आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग कार्य

पश्चिम रेलवे कैरिज मरम्मत कार्यशाला, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 400013 के उप मुख्य विद्युत अभियंता (वर्कशॉप) द्वारा ई-निविदा सूचना क्रमांक EL/WA/PL/2025-26/27 दिनांक 17.01.2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** आरडीएसओ संशोधन पत्रक RDSO/PE/MS/Non-AC/0078-2018 (Rev-'0') के अनुसार। एलएचबी ईओजी/एचओजी गैर-वातानुकूलित कोचों में आपातकालीन फीड टर्मिनल बॉक्स तथा फ्यूज बॉक्स सहित बैटरी चार्जिंग टर्मिनल सॉकेट की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग। **कार्य की अनुमानित लागत :** 1,05,83,127.90 **अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट :** 2,02,900/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 13.02.2026 को 12:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 13.02.2026 को 12:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1061

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

शुद्धिपत्र

टेंडर नंबर IND/UJN/SIMHASTHA/01 का पहला शुद्धिपत्र। NIT में निम्नलिखित बदलाव किए गए हैं। NIT में पहले से छपा हुआ: डिप्टी चीफ इंजीनियर (कंस्ट्रक्शन)I, वेस्टर्न रेलवे, इंदौर (MP) दिए गए विवरण के अनुसार ई-टेंडरिंग टू-पैकेट सिस्टम और टू-स्टेज रिवर्स ऑक्शन के माध्यम से टेंडर आमंत्रित करते हैं।

अब इसे इस प्रकार पढ़ा जाए: डिप्टी चीफ इंजीनियर (कंस्ट्रक्शन)I, वेस्टर्न रेलवे, इंदौर (MP) दिए गए विवरण के अनुसार ई-टेंडरिंग टू-पैकेट सिस्टम के माध्यम से टेंडर आमंत्रित करते हैं। अन्य नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। 1077

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

इलेक्ट्रिकल (पावर) कार्य

Sr.DEE/P/BCT ई-टेंडर नोटिस नंबर: EL-81-71-30-WA-72 दिनांक 27-01-2026 आमंत्रित करता है। **कार्य और स्थान:** डोंडाइचा में इलेक्ट्रॉनिक इन-मोशन वे ब्रिज (EIMWB) लगाने के संबंध में डोंडाइचा-इलेक्ट्रिकल (पावर) कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** 9,59,871/-। EMD: 19,200/-। **जमा करने की तारीख और समय:** 26.02.2026 15:00 बजे तक। **खोलने की तारीख और समय:** 26.02.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 1062

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

इलेक्ट्रिकल (पावर) कार्य

Sr.DEE/P/BCT ई-टेंडर नोटिस नंबर: EL-81-85-11-WA-71 दिनांक 27-01-2026 आमंत्रित करता है। कार्य और स्थान: नरदाना-नरदाना में इलेक्ट्रॉनिक इन-मोशन वे ब्रिज (EIMWB) के प्रावधान के संबंध में इलेक्ट्रिकल (पावर) कार्य। कार्य की अनुमानित लागत: 9,59,871/-। EMD: 19,200/-। जमा करने की तारीख और समय: 26.02.2026 को 15:00 बजे तक। खोलने की तारीख और समय: 26.02.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 1060

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे द्वारा विरार-सूरत-वडोदरा खंड पर कवच 4.0 को कमीशन किया गया

ट्रेन संख्या 20907 दादर-भुज सायाजीनगरी एक्सप्रेस मुंबई से चलने वाली पहली कवच-सुसज्जित ट्रेन बनी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन उत्कृष्टता के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करते हुए पश्चिम रेलवे ने 344 किलोमीटर लंबे विरार-सूरत-वडोदरा खंड पर यात्री ट्रेनों के लिए स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन संरक्षण प्रणाली कवच संस्करण 4.0 को कमीशन कर दिया है। 30 जनवरी, 2026 को एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई, जब ट्रेन संख्या 20907 दादर-भुज सायाजीनगरी एक्सप्रेस मुंबई से चलने वाली पहली कवच-सुसज्जित ट्रेन बनी। यह पश्चिम रेलवे नेटवर्क पर उन्नत सुरक्षा प्रौद्योगिकी के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विरार-सूरत-वडोदरा खंड के 344 किलोमीटर लंबे मार्ग पर कवच प्रौद्योगिकी को कमीशन किया गया है। इस कॉरिडोर पर कवच को 49 स्टेशनों पर लागू किया गया है, जिसे 57 रेडियो संचार टावरों तथा लगभग 700 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल का सहयोग प्राप्त है। कवच एक अतिरिक्त सुरक्षा परत के रूप में कार्य करता है, जो सिगनल का खतरे की स्थिति में पार होना, अधिक गति तथा टक्करों जैसी मानवीय त्रुटियों से उत्पन्न जोखिमों को न्यूनतम करने में सहायक है। साथ ही, लेवल क्रॉसिंग पर स्वचालित सीटी (ऑटो-व्हिसलिंग) और लोको पायलट के केबिन में सिगनल पहलू की पुनरावृत्ति जैसी विशेषताओं के माध्यम से प्रतिकूल मौसम और कम दृश्यता की परिस्थितियों में भी परिचालन सुरक्षा को और सुदृढ़ करता है।

पश्चिम रेलवे द्वारा इससे पूर्व दिसम्बर 2025 में वडोदरा-अहमदाबाद खंड पर कवच प्रणाली को कमीशन किया गया था। विरार-वडोदरा खंड के कमीशन होने के साथ ही, वर्तमान में पश्चिम रेलवे पर कुल 435 रूट किलोमीटर में कवच प्रणाली लागू की जा चुकी है।

श्री विनीत ने आगे कहा कि भारतीय रेल द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित कवच प्रौद्योगिकी एक तकनीकी रूप से उन्नत एवं लागत-प्रभावी सुरक्षा समाधान है, जो रेलवे सुरक्षा प्रणालियों में आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है।

पहले से कमीशन किए गए खंडों के अतिरिक्त, पश्चिम रेलवे के 2667 रूट किलोमीटर को कवर करने वाले अन्य कई खंडों पर कवच कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 1435 करोड़ है। इसके अलावा, 2476 मार्ग किलोमीटर पर कवच कार्यों के लिए स्वीकृति हेतु प्रस्ताव भी किए गए हैं, जो इस कार्यक्रम के व्यापक स्तर और तीव्र गति को दर्शाते हैं। चरणबद्ध क्रियान्वयन के साथ, पश्चिम रेलवे अपने संपूर्ण ब्रॉड गेज नेटवर्क पर कवच के विस्तार की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है, जिससे समग्र रेल सुरक्षा सुदृढ़ीकरण के प्रति उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता पुनः पुष्ट होती है।

अपने नेटवर्क पर उन्नत सुरक्षा प्रणालियों की तैनाती में निरंतर प्रगति के साथ पश्चिम रेलवे देश के लिए एक अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और भविष्य-तैयार रेलवे प्रणाली के निर्माण की दिशा में दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ रहा है।

पश्चिम रेलवे

एयर कंडीशनिंग सिस्टम का CAMC

Sr. DEE/P/BCT ने ई-टेंडर नोटिस नंबर: EL-Maint-4-340-WA-17 Dt.28.01.2026 जारी किया है। **काम और जगह:** मुंबई सेंट्रल जगजीवन राम हॉस्पिटल - विभिन्न वार्डों के एयर कंडीशनिंग सिस्टम, कैरियर मेक VRF आउटडोर यूनिट, कैसेट AC का 2 साल के लिए कॉम्प्रिहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट। **काम की अनुमानित लागत:** 45,88,797/-। **EMD:** 91,800/-। **जमा करने की तारीख और समय:** 20.02.2026 तक, 15:00 बजे। **खोलने की तारीख और समय:** 20.02.2026 को 15:30 बजे। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 1066

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्रियों की आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट टेंडर सूचना संख्या : एस/06/2026 दिनांक 28.01.2026

अ.क्र.	आइटम का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
51	आरडीएसओ ड्राइंग क्रमांक T-4967 के अनुसार बीजी 60E1 रेल सेक्शन एवं आर260 ग्रेड के लिए पीएससी स्लीपरों पर 1 in 8.5 सीएमएस क्रॉसिंग की आपूर्ति हेतु एक वर्ष का रनिंग अनुबंध।	50 Set	03-Mar-26
52	हैंड ब्रेक केबल असेंबली	1408 Nos	02-Mar-26
53	ड्रग एल्यूटिंग कोरोनरी स्टेंट सिस्टम	200 Nos	27-Feb-26
54	आरडीएसओ ड्राइंग क्रमांक टी-10233 से टी-10234 तथा टी-10236 से 10237 के अनुसार एचवीएन-66 इन्सुलेटिंग कट लाइनर की आपूर्ति के लिए एक वर्ष की अवधि का चालू अनुबंध।	200300 Set	27-Feb-26
55	प्वाइंट तथा क्रॉसिंग कार्यों हेतु पृथक स्लीपर की आपूर्ति: मद (A): कैंची प्रकार क्रॉसओवर भाग के लिए पृथक स्लीपर, रेल डिज़ाइन एवं मानक संगठन की ड्राइंग क्रमांक T-8109 के अनुसार। मद (B): 1 in 8.5 अनुपात वाली एकल फिसलन हीरक क्रॉसिंग के लिए पृथक स्लीपर, रेल डिज़ाइन एवं मानक संगठन की ड्राइंग क्रमांक T-6493 के अनुसार। मद (C): 1 in 8.5 अनुपात वाली द्वि फिसलन हीरक क्रॉसिंग के लिए पृथक स्लीपर, रेल डिज़ाइन एवं मानक संगठन की ड्राइंग क्रमांक ऊ-6494 के अनुसार।	2906.72 Mtr	27-Feb-26
56	उच्च क्षमता वाला थर्मोप्लास्टिक पॉलिएस्टर इलास्टोमेरिक	7321 Nos	25-Feb-26
57	इंसुलेटिंग होज़ पाइप (PTFE ट्यूब) का सेट	83 Nos	23-Feb-26

विस्तृत नोटिस, EMD, खरीद प्रतिबंध और विस्तृत टेंडर शर्तों के लिए, कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in और wr.indianrailways.gov.in पर जाएं। 1067

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008

कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर माध्यमों के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन

नीलामी कैटलॉग क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-52	17-02-26 14:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समापन तिथि एवं समय
1	MSS-BCT-MMCT-MedStn-83-25-1 (Misc-Static-Services-Medical facilities at station)	मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से पाँच वर्षों की अवधि के लिए चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना।	1826	17-02-26 14:30:00

नीलामी कैटलॉग क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-74	17-02-26 15:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समापन तिथि एवं समय
1	ADVT-BCT-BVI-OH-468-26-1 (Advertising - Out of Home)	बोरीवली परिक्रमा क्षेत्र में 20 संख्या के ग्लो-साइन की स्थापना के माध्यम से, कुल विज्ञापन क्षेत्रफल 592 वर्ग फुट, 5 वर्षों की अवधि के लिए सामूहिक विज्ञापन अधिकार।	1826	17-02-26 15:30:00
2	ADVT-BCT-GMN-OSN-361-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	गोरेगांव (जीएमएन) स्टेशन पर 3 वर्षों की अवधि के लिए सामूहिक विज्ञापन अधिकार।	1096	17-02-26 15:40:00
3	ADVT-BCT-JOS-OSN-449-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	जोगेश्वरी (JOS) स्टेशन के प्लेटफार्मों पर 3 वर्षों की अवधि के लिए सामूहिक विज्ञापन अधिकार।	1096	17-02-26 15:50:00

संपर्क विवरण: लैंडलाइन नंबर: 02267644212 ईमेल आईडी: acmadvtgbct@gmail.com टिप्पणी: इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट पर उपलब्ध ई-नीलामी लीज़िंग मॉड्यूल (www.ireps.gov.in) पर अवश्य जाएँ। उल्लेखित कैटलॉग के अंतर्गत लॉटवार विवरण वहाँ उपलब्ध हैं। 1063

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

अजित पवार की विरासत अब सुनेत्रा पवार के कंधों पर? एनसीपी में उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग तेज

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुम्बई **(एजेंसी)**। अजित पवार के उत्तराधिकारी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दो गुटों के विलय को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच, पार्टी शनिवार को विधायक दल की बैठक बुला सकती है। परिवार के करीबी सूत्रों के अनुसार, बैठक में अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा को गुट का नेता चुना जाएगा। अजित पवार की एनसीपी महाराष्ट्र सरकार में फडणवीस के नेतृत्व वाली भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ गठबंधन में है। उनके चाचा शरद पवार और चचेरी बहन सुप्रिया सुले का एनसीपी गुट कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ विपक्ष में है।

अपनी मृत्यु के समय, अजित पवार वित्त, योजना और राज्य उत्पाद शुल्क सहित कई महत्वपूर्ण विभागों के प्रभारी थे, साथ ही उनके पास खेल, युवा कल्याण और अल्पसंख्यक विकास का अतिरिक्त प्रभार भी था। ये सभी विभाग अब रिक्त हैं। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेताओं ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और पार्टी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के विभागों पर अपना दावा जताया। अजीत पवार का बुधवार को विमान दुर्घटना में निधन हो गया था। एनसीपी के वरिष्ठ नेता प्रफुल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल प्रमुख कैबिनेट पदों पर पार्टी का नियंत्रण बरकरार रखने के लिए फडणवीस के 'वर्षा' बंगले पर पहुंचे।

प्रफुल पटेल ने कहा कि हम पवार परिवार से बात करने के बाद और जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए जल्द ही फैसला लेंगे। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए पटेल ने कहा कि पार्टी इस पद को जल्द से जल्द भरना चाहती है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी निर्णय लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम महायुति गठबंधन के साझेदार हैं, इसलिए अजित पवार के पद को भरने के लिए हमें जल्द से जल्द सही निर्णय लेना होगा।

उन्होंने आगे कहा कि साथ ही, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि कोई भी निर्णय लेने से पहले हमें जनभावना का ध्यान रखना होगा। हमें परिवार को उनके दुख से उबरने के लिए कुछ समय देना चाहिए। हम जल्द ही सुनेत्रा पवार और परिवार के साथ पार्टी के भविष्य के मार्ग पर चर्चा करेंगे। अजित पवार के अचानक निधन ने एनसीपी के भीतर कई अहम सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे शरद पवार के नेतृत्व वाले प्रतिद्वंद्वी गुट के साथ विलय की अटकलें फिर से तेज हो गई हैं। इससे पार्टी के भावी नेतृत्व को लेकर भी अनिश्चितता का माहौल बन गया है, क्योंकि अजीत पवार के निधन से एक बड़ा रिक्त स्थान उत्पन्न हो गया है।

शांतिनगर पुलिस जांच में जुटी

सड़क किनारे खड़े टेम्पो से डी-मार्ट का सामान साफ, अज्ञात चोर फरार

गायत्रीनगर पुलिस चौकी के पास वारदात, 44 हजार से ज्यादा का किराना व घरेलू सामान चोरी

भिवंडी। भिवंडी के शांतिनगर क्षेत्र में चोरी की एक और घटना सामने आई है। गायत्रीनगर पुलिस चौकी के पास सार्वजनिक सड़क पर खड़े एक टेम्पो से अज्ञात चोरों ने डी-मार्ट का सामान चोरी कर लिया। इस मामले में शांतिनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शांतिनगर इलाके में साईबाबा किराना स्टोर के पास रहने वाला रिजवान गफूर शेख (25) डी-मार्ट से टेम्पो द्वारा सामान की डिलीवरी का काम करता है। सोमवार को उसने वसई और विरार स्थित डी-मार्ट से कुल 44,295 रुपये का सामान टेम्पो में लोड किया था। रात के समय वह टेम्पो को शांतिनगर इलाके में सार्वजनिक सड़क किनारे खड़ा कर चला गया। इसी दौरान अज्ञात चोर ने रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए टेम्पो के पिछले दरवाजे का ताला तोड़ दिया और अंदर रखा सारा सामान चोरी कर लिया। चोरी हुए माल में किराने के 15 डिब्बे, टी-शर्ट, कुकर, दाल, वॉशिंग पाउडर, चाय के पैकेट, तेल, ब्रश और जूते समेत अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुएं शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलते ही शांतिनगर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कर अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज किया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और चोरों की तलाश तेज कर दी गई है। इलाके में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से नागरिकों में दहशत का माहौल है।

भुसावल मंडल में हजरत निजामुद्दीन से वास्को दा गामा एक्सप्रेस को बुरहानपुर स्टेशन पर प्रायोगिक आधार पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भुसावल मंडल के अंतर्गत बुरहानपुर स्टेशन पर हजरत निजामुद्दीन से वास्को दा गामा गोवा एक्सप्रेस को प्रायोगिक आधार पर दो मिनट का अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। इसका विवरण निम्नानुसार है– हजरत निजामुद्दीन से वास्को दा गामा गोवा एक्सप्रेस। यह गाड़ी अपनी यात्रा आरंभ होने के दिन से बुरहानपुर स्टेशन पर प्रातः सात बजकर उनचास मिनट पर पहुंचेगी तथा सात बजकर पचास मिनट पर प्रस्थान करेगी। यह ठहराव प्रायोगिक आधार पर रहेगा। वास्को दा गामा से हजरत निजामुद्दीन गोवा एक्सप्रेस । यह गाड़ी अपनी यात्रा आरंभ होने के दिन से बुरहानपुर स्टेशन पर दोपहर एक बजकर उनतीस मिनट पर पहुंचेगी तथा एक बजकर तीस मिनट पर प्रस्थान करेगी। यह ठहराव भी प्रायोगिक आधार पर रहेगा। इन ट्रेनों के ठहराव से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री भारतीय रेलवे की पूछताछ वेबसाइट अथवा राष्ट्रीय रेल सूचना प्रणाली के मोबाइल अनुप्रयोग का उपयोग कर सकते हैं।

भिवंडी के गोदाम में कूरियर के दौरान धोखाधड़ी

कूरियर के भरोसे में सेंध, 18 लैपटॉप गायब, 12.61 लाख की हेराफेरी

लैपटॉप की जगह डाले स्टील और रबर के टुकड़े

भिवंडी। भिवंडी में कूरियर सेवा के जरिए भेजे गए महंगे लैपटॉप की बड़ी हेराफेरी का मामला सामने आया है। ई-कार्ड कूरियर ट्रांसपोर्ट में काम करने वाले किसी अज्ञात व्यक्ति ने विश्वास का गलत फायदा उठाते हुए 12 लाख 61 हजार 730 रुपये कीमत के 18 लैपटॉप गायब कर दिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता मनोज शिवकुमार कलारीकल (53) एक निजी कंपनी में वेयरहाउस मैनेजर के रूप में कार्यरत हैं। उनकी कंपनी द्वारा चेन्नई और बेंगलुरु में वितरण के लिए ई-कार्ड कूरियर ट्रांसपोर्ट के माध्यम से लैपटॉप भेजे गए थे। यह घटना 11 सितंबर 2025 शाम 5 बजे से 25 सितंबर 2025 दोपहर 3.10 बजे के बीच दिवे-अंजुर गांव स्थित सवेक्स टेक्नोलॉजिस्ट प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम में हुई।आरोप है कि कूरियर के दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने लैपटॉप के बॉक्स की सील तोड़ दी और अंदर रखे लैपटॉप निकालकर उनकी जगह स्टील के टुकड़े और ब्रेक रबर के टुकड़े भर दिए। जब पार्सल की जांच की गई तो इस धोखाधड़ी का खुलासा हुआ। जांच में कुल 18 लैपटॉप गायब पाए गए, जिनकी कीमत 12.61 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(3) के तहत मामला दर्ज कर कूरियर कंपनी के कर्मचारियों से पूछताछ शुरू कर दी है।

मुम्बई सेंट्रल-इंदौर तेजस स्पेशल ट्रेन के फेरे पुनः विस्तारित

रतलाम। यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखकर मुम्बई सेंट्रल से इंदौर के मध्य चलने वाली 09085/09086 मुम्बई सेंट्रल इंदौर तेजस सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के फेरे पुनः विस्तारित की जा रही है। पश्चिम रेलवे रतलाम मण्डल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:- गाड़ी संख्या 09085 मुम्बई सेंट्रल इंदौर तेजस स्पेशल, जिसका अंतिम फेरा 30 जनवरी 2026 तक निर्धारित है , 27 फरवरी 2026 तक मुम्बई सेंट्रल से प्रति सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को चलेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09086 इंदौर मुम्बई सेंट्रल तेजस स्पेशल, जिसका अंतिम फेरा 31 जनवरी 2026 निर्धारित है, 28 फरवरी 2026 तक इंदौर से प्रति मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार को चलेगी।

यह ट्रेन पूर्व निर्धारित मार्ग, कोच कंपोजिशन, दिन एवं ठहराव के साथ ही चलेगी। इनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

गाड़ी संख्या 09085/09086 मुम्बई सेंट्रल इंदौर तेजस सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के विस्तारित फेरों की बुकिंग 31 जनवरी 2026 से सभी यात्री आरक्षण केन्द्रों एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट से शुरू होगी। ट्रेनों के बारे में अद्यतन जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

दक्षिण के मंदिर पथ : मनमाड से भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम की नई आध्यात्मिक यात्रा

दक्षिण के मंदिर पथ भारत गौरव ट्रेन को मिल रहा उत्साहजनक प्रतिसाद

मुंबई। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम द्वारा एक नई आध्यात्मिक पर्यटन योजना 'दक्षिण के मंदिर पथ' की शुरुआत की जा रही है, जिसके माध्यम से श्रद्धालुओं को दक्षिण भारत के प्रमुख एवं पवित्र मंदिरों के दर्शन का एक अनूठा अवसर प्राप्त होगा।

यह विशेष रूप से तैयार की गई आध्यात्मिक यात्रा मनमाड से प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम की विश्वसनीय सेवाओं के अंतर्गत श्रद्धा, संस्कृति तथा आरामदायक यात्रा का समन्वय प्रस्तुत करेगी। यह बारह रात्रियों और तेरह दिनों की विशेष आध्यात्मिक यात्रा महाराष्ट्र तथा आसपास के क्षेत्रों के तीर्थयात्रियों और विरासत प्रेमियों को दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर प्रदान करती है।

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम पश्चिम क्षेत्र, मुंबई के समूह महाप्रबंधक श्री गौरव झा ने बताया कि यह विशेष रूप से डिज़ाइन की गई वातानुकूलित एवं गैर-वातानुकूलित पर्यटक ट्रेन यात्रियों को दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों – मुरुडेश्वर, गुरुवायूर, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी, तिरुवनंतपुरम, तिरुचिरापल्ली, कांचीपुरम तथा महाबलीपुरम – तक ले जाएगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु मुरुडेश्वर शिव मंदिर, विवेकानंद शिला स्मारक तथा महाबलीपुरम के प्रसिद्ध मंदिरों सहित अनेक ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक स्थलों के दर्शन कर सकेंगे।

इस ट्रेन में साधारण स्लीपर, मानक वातानुकूलित श्रेणी तथा आरामदायक वातानुकूलित श्रेणी उपलब्ध हैं और यह लगभग सात सौ पचास यात्रियों की क्षमता रखती है। यात्रियों के लिए मनमाड, नासिक रोड, कल्याण, लोणावला, पुणे, सातारा तथा मिरज से चढ़ने और उतरने की सुविधा प्रदान की गई है।

यह यात्रा सर्व-समावेशी पैकेज के अंतर्गत संचालित की जा रही है, जिसमें वातानुकूलित एवं गैर-वातानुकूलित कोचों में रेल यात्रा, बजट होटलों में ठहराव, संपूर्ण यात्रा के दौरान शुद्ध शाकाहारी भोजन, वातानुकूलित एवं गैर-वातानुकूलित स्थानीय परिवहन एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण, यात्रा बीमा तथा समर्पित भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम टूर प्रबंधकों की सेवाएँ शामिल हैं।

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम पश्चिम क्षेत्र के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक सावधानियाँ सुनिश्चित की गई हैं।

इस यात्रा का मूल्य साधारण श्रेणी, मानक वातानुकूलित श्रेणी तथा आरामदायक वातानुकूलित श्रेणी के अनुसार निर्धारित किया गया है।

बुकिंग पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम के पर्यटन पोर्टल पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए यात्री निगम के संपर्क माध्यमों के द्वारा जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

यह पहल आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ क्षेत्रीय संपर्क को सशक्त बनाती है और यात्रियों को सुरक्षित एवं आरामदायक तरीके से दक्षिण भारत की आध्यात्मिक विरासत से जोड़ती है।

रेल के साथ खेल नहीं - रेलवे सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता हेतु आरपीएफ का विशेष अभियान

रतलाम। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल यात्री सुरक्षा को ध्यान में रखकर पूर्ण सतर्क है। सुरक्षा को ध्यान में रखकर रेलवे सुरक्षा बल द्वारा समय - समय पर जागरूकता अभियान चलाया जाता रहा है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मंडल रेल प्रबंधक रतलाम श्री अश्वनी कुमार के मार्गदर्शन में तथा वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, रतलाम श्री रामराज मीना के निर्देशन में रतलाम मंडल क्षेत्र के अंतर्गत पैसेंजर ट्रेनों पर पत्थरबाजी, रेलवे ट्रैक व उससे जुड़े उपकरणों के साथ छेड़छाड़, अनाधिकृत ट्रैक पासिंग तथा रेलवे ट्रैक पर पशुओं के आ जाने से रेल संचालन में उत्पन्न बाधाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु आम नागरिकों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मंडल स्तर पर ' डरेल के साथ खेल नहींङ ' नामक विशेष अभियान की शुरुआत की गई है।

इसके अंतर्गत आज दिनांक 30.01.2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट मेघनगर के क्षेत्राधिकार में बल सदस्यों की एक टीम का गठन कर उप निरीक्षक अंकित चौधरी, उप निरीक्षक मायाराम गुर्जर एवं अन्य स्टाफ द्वारा विभिन्न विद्यालयों एवं ग्राम क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अभियान के तहत निम्न विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए गए–

पीएम श्री शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, चैनपुरा, विकासखंड मेघनगर, जिला झाबुआ, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नौगावां, जिला झाबुआ, पीएम श्री कन्या शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बामनिया एवं शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बामनिया

के लगभग 3000 से अधिक बच्चों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के मध्य जागरूकता अभियान चलाया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं ग्रामीणों को रेल गाड़ियों पर पत्थर न फेंकने, रेलवे ट्रैक पार न करने, पटरी पर पत्थर अथवा अन्य अवरोध न रखने, रेलवे लाइन पर वीडियो/रील न बनाने तथा रेलवे संपत्ति के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न करने के संबंध में भी जागरूक किया गया।

साथ ही उपस्थित जनसमूह को यह भी बताया गया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ रेल अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत दंडनीय अपराध हैं, जिनमें जुर्माना एवं कारावास तक का प्रावधान है। उन्हें यह भी समझाया गया कि रेलवे एक राष्ट्रीय संपत्ति है तथा रेल से यात्रा करने वाले आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है।सुरक्षित ट्रेन परिचालन के लिए रेलवे सुरक्षा बल पूरी तरह सतर्क है और भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता अभियानों के माध्यम से समाज में रेल सुरक्षा के प्रति चेतना विकसित करने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

आध्यात्मिक चेतना और मनोवैज्ञानिक उपचार का अनूठा संगम : सुनंदा बसु

मुंबई। प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक, मनोचिकित्सक, इंटीग्रेटेड एनर्जी हीलर एवं लाइफ कोच सुनंदा बसु आज न केवल एक नाम, बल्कि समग्र उपचार और आत्मिक जागरण की प्रेरक पहचान बन चुकी हैं। स्वयं को किसी पद या उपाधि से अधिक उपचार की साधक और सेवा की साधिका मानने वाली सुनंदा बसु का जीवन उद्देश्य लोगों को उनकी आंतरिक पूर्णता और संतुलन से पुनः जोड़ना है।

बचपन से ही सेवा और साधना की ओर झुकाव

सुनंदा बसु का आध्यात्मिक झुकाव बचपन से ही स्पष्ट था। जहाँ अन्य बच्चे सामान्य खेलों में रमे रहते थे, वहीं उनका मन स्वाभाविक रूप से दूसरों की सहायता और सेवा की ओर आकर्षित रहता था। उनकी आध्यात्मिक चेतना को आकार देने में उनकी दादी की विशेष भूमिका रही, जिनकी शिक्षाओं ने करुणा, विश्वास और अंतर्मुखी जागरूकता के बीज उनके भीतर बोए। प्रारंभ में माता-पिता के लिए यह मार्ग नया और कठिन था, किंतु सुनंदा का आंतरिक आह्वान सदैव अडिग रहा।

उद्देश्य से निर्देशित जीवन यात्रा

शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात उन्होंने पारंपरिक करियर की बजाय आध्यात्मिक और उपचारात्मक मार्ग को चुना। उनके जीवन में निर्णायक मोड़ तब आया जब उनके पिता पार्किंसन रोग से ग्रसित हुए। इस पीड़ादायक अनुभव ने उन्हें लक्षणों से आगे जाकर रोगों के मूल कारणों को समझने और उपचार की गहराई में उतरने के लिए प्रेरित किया। इसी दौरान उनका आत्मिक संसार से गहरा संबंध स्थापित हुआ और उनकी उपचार शक्तियाँ क्रमशः विकसित होती गईं।

ईश्वरीय सेवा के रूप में उपचार

सुनंदा बसु मानती हैं कि उपचार केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि ईश्वरीय सेवा है। उनका अनुभव है कि जब वे दूसरों को उपचार देती हैं, तब स्वयं भी उपचारित होती हैं। वे स्वयं को उपचार करने वाली नहीं, बल्कि दिव्य ऊर्जा की एक माध्यम मानती हैं, जो ईश्वर की कृपा और उच्च चेतना को लोगों तक पहुँचाने का कार्य करती हैं। इस प्रक्रिया में वे पूर्णतः स्वतंत्र इच्छा और भावनात्मक सुरक्षा का सम्मान करती हैं।

'Sunanda's Divine Energy Healing' - निःशुल्क सेवा का मंच

अपने इसी दिव्य आह्वान के अंतर्गत सुनंदा बसु ने एक व्हाट्सएप समुदाय 'Sunanda's Divine Energy Healing' की स्थापना की है, जहाँ दिव्य मार्गदर्शन में निःशुल्क हीलिंग और ध्यान सत्र आयोजित किए जाते हैं। उनका दृढ़ विश्वास है कि संपूर्णता, संतोष और संतुलन हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, जिसे हम चेतन जागरूकता और प्रकाश-कार्य के माध्यम से पुनः प्राप्त कर सकते हैं।

संपर्क विवरण

व्हाट्सएपः +91 8433691548

ईमेलः info@divineenergyhealing.in

वेबसाइटः www.divineenergyhealing.in

सुनंदा बसु का कार्य आज उन सभी के लिए आशा, शांति और आत्मिक संतुलन का प्रकाशस्तंभ है, जो जीवन में वास्तविक उपचार और आंतरिक शांति की खोज में हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से दिव्यांगों को सेवाएँ प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा– मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल

मुंबई, दि. 30 : दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब केवल एक आधुनिक तकनीकी अवधारणा नहीं रह गई है, बल्कि उनके दैनिक जीवन की कठिनाइयों को दूर करने वाला एक प्रभावी साधन बन रही है। दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित, शारीरिक तथा बौद्धिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरण, अनुप्रयोग और डिजिटल सेवाएँ बड़े पैमाने पर उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सहायक तकनीक के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सरल सेवाएँ विकसित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाना चाहिए, ऐसा प्रतिपादन मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल ने किया।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट की पृष्ठभूमि में 'दिव्यांग व्यक्तियों के समावेशन एवं सशक्तिकरण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्षमता को उजागर करना' इस विषय पर प्री-समिट गोलमेज चर्चा का आयोजन मुंबई के होटल इंटरकॉन्टिनेंटल में किया गया था। इस अवसर पर वे बोल रहे थे। कार्यक्रम में दिव्यांग कल्याण विभाग के सचिव तुकाराम मुंढे भी उपस्थित थे। इस अवसर पर दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।मुख्य सचिव अग्रवाल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से विकसित इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर, कृत्रिम हाथ-पैर, संचार सहायक उपकरण, नेत्र-गतिविधि आधारित तथा सिर से संचालित उपकरण दिव्यांग व्यक्तियों को स्वावलंबी जीवन जीने में सहायता कर रहे हैं। बौद्धिक अक्षमता के क्षेत्र में, विशेष रूप से ऑटिज़्म के निदान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। शासकीय सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कर दिव्यांगों के लिए प्रक्रियाएँ अधिक सरल बनाई जा रही हैं। बहुभाषी संवाद सहायक प्रणालियों और डिजिटल सहायता माध्यमों के कारण आवश्यक जानकारी, उपचार केंद्र, विशेष विद्यालय तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ नागरिकों को एक ही स्थान पर उपलब्ध हो रहा है। अब दिव्यांग केवल स्वावलंबी ही नहीं हो रहे, बल्कि अपने परिवार का भरण-पोषण करने में भी सक्षम बन रहे हैं।

सम्पादकीय

6.8 से 7.2 फीसदी की ग्रोथ, लेकिन राह आसान नहीं, आर्थिक समीक्षा ने बजट से पहले उठाए बड़े सवाल

हर साल संसद में पेश होने वाली आर्थिक समीक्षा आमतौर पर इस बात का ब्योरा होती है कि पिछले बजट में देश की अर्थव्यवस्था और अन्य मोर्चे पर सुधार के लिए जो वादे किए गए थे, वे किस हद तक पूरे किए जा सके। यह इसका भी संकेत होता है कि अगले वित्त वर्ष में सरकार के आर्थिक फैसलों में किन मसलों को प्राथमिकता मिल सकती है। इस लिहाज से देखें, तो वित्त मंत्री ने जो आर्थिक समीक्षा पेश की है, वह देश की परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खड़ी हो रही आर्थिक चुनौतियों के बीच उम्मीद जगाती है, लेकिन यह आने वाले वक्त के जोखिमों के प्रति आगाह भी करती है।

समीक्षा में वित्त वर्ष 2026-27 में सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 6.8 फीसद से 7.2 फीसद के बीच रहने का अनुमान जताया गया है। विदेशी पूंजी प्रवाह में कमी के कारण रुपए पर प्रतिकूल असर और बीते वर्ष भारतीय मुद्रा में कमजोरी के बावजूद यह अनुमान अर्थव्यवस्था में स्थिरता का संकेत देता है। हालांकि समीक्षा में विकसित भारत और वैश्विक प्रभाव का लक्ष्य हासिल करने के उद्देश्य से मजबूत और स्थिर मुद्रा को एक स्वाभाविक जरूरत बताने के समांतर रुपए के मूल्य में गिरावट को हानिकारक नहीं माना गया, क्योंकि यह भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क में इजाफे के असर को कुछ हद तक कम करता है।

दूसरी ओर, यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर यह उम्मीद जताई गई है कि यह भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मक, निर्यात और रणनीतिक क्षमता को मजबूत करेगा। समीक्षा के मुताबिक, अनिश्चित वैश्विक माहौल में भारत को घरेलू वृद्धि को प्राथमिकता देने की जरूरत है और इसके लिए वित्तीय सुरक्षा उपायों और नकदी पर ज्यादा जोर देना चाहिए। जाहिर है, वैश्विक आर्थिक मोर्चे पर तेजी से बदलते समीकरण और भू-राजनीतिक परिदृश्य के मद्देनजर भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए अपने हितों के अनुकूल उपाय करने होंगे। आर्थिक समीक्षा में नवोन्मेष और वैश्विक पहलकदमियों को कमजोर किए बिना दक्षता और स्वदेशी को अपनाने का आह्वान किया गया है, जो निश्चित रूप से आत्मनिर्भरता की संभावनाओं को मजबूत करेगा। कृषि क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा है। इस बिंदु पर सर्वेक्षण में यह कहा गया है कि कृषि निर्यात में व्यापार नीति का उपयोग कीमतों और उत्पादन में अस्थिरता के बीच अल्पकालिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जाता है। मगर बार-बार नीतिगत बदलाव आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करते हैं।

यह देखने की बात होगी कि समीक्षा में जाहिर इस चिंता के संदर्भ में बजट की क्या दिशा होती है। यों, महंगाई का असर नरम रहने और अगले वर्ष भी चिंता का बड़ा कारण नहीं बनने को लेकर उम्मीद जताई गई है। समीक्षा में अस्थायी कामगारों के लिए काम से जुड़ी शर्तें नए सिरे से तय करने के उद्देश्य से नीति लाने की जरूरत पर जोर दिया गया है। इसके अलावा, नागरिकों की सेहत की सुरक्षा के मद्देनजर अधिक वसा और चीनी वाले अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की बढ़ती खपत पर चिंता जताई गई है और इन उत्पादों के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव भी दिया गया है।

आर्थिक समीक्षा में कई राज्यों में लोकलुभावन घोषणाओं और नकद अंतरण के कारण राजस्व घाटा बढ़ने को लेकर भी चिंता जताई गई। सवाल है कि जिस दौर में मुफ्त सुविधाओं की घोषणा को चुनावी जीत का जरिया बनाने की प्रवृत्ति हावी हो रही हो, उसमें बजट में क्या कोई ऐसी घोषणा सामने आ सकती है, जो इस पर लगाम लगाए!

दिवस बहुत, बदलाव कम, क्या भारत आज भी लड़कियों की शिक्षा और सुरक्षा में विफल है?

हमारे देश में बेटियों के जीवन और संरक्षण के लिए सरकार और समाज के स्तर पर तमाम कवायदें होती रही हैं और इसके मद्देनजर समय-समय पर विशेष आयोजन होते रहे हैं। मगर ऐसा क्यों है कि आज भी बच्चियों की शिक्षा, सुरक्षा और अधिकार से जुड़े लक्ष्य अधूरे हैं? लैंगिक समानता का विमर्श तब तक अधूरा है, जब तक बालिकाओं की दशा और दिशा का ईमानदारी से मूल्यांकन नहीं होता। महज दिवस और समारोह मना लेने भर से बच्चियों के संपूर्ण विकास का दावा नहीं किया जा सकता।

आज स्वतंत्रता प्राप्ति के सात दशक बाद लाखों बालिकाओं की शिक्षा अधूरी रह जाती है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। उनके स्वास्थ्य की जिस तरह से उपेक्षा होती है, यह किसी से छिपा नहीं है। उचित पोषण के अभाव में उन्हें कई बीमारियां घेर लेती हैं। चिंता की बात है कि तमाम योजनाओं के बावजूद सामाजिक सोच में आज भी बदलाव नहीं आया। समाज में बालिकाओं को लेकर दोहरी मानसिकता रही है। घर से लेकर बाहर तक उनसे भेदभाव होता है।

आज भी भ्रूण हत्या एक बड़ी चुनौती है। बालिका किसी तरह बच जाती है, तो आगे चल कर उसे शिक्षा से वंचित रखने की साजिश होती है। हालांकि जागरूकता बढ़ने से लोग बेटा-

बेटी को समान मानने लगे हैं। शहरों में तस्वीर जरूर बदली है, लेकिन ग्रामीण और वंचित तबकों में बालिकाएं अब भी उपेक्षित हैं।

आज बालिकाएं जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, चाहे वह खेल का क्षेत्र हो या शिक्षा। लड़कियां खेलों में स्वर्ण पदक जीतने से लेकर अंतरिक्ष में जाने तक के लिए तैयार हो रही हैं। तमाम संघर्षों और बाधाओं को पार करने के बाद आगे चल कर कई बालिकाएं विभिन्न क्षेत्रों में शीर्ष पदों तक पहुंचीं। मगर इतना सब कुछ प्राप्त कर लेने के बावजूद आज भी उनकी सुरक्षा समाज के लिए चिंता का विषय है।

अगर राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों पर नजर डालें, तो भारत में 2023 में महिलाओं से हुए अपराध के करीब 4.48 लाख मामले दर्ज किए गए, जो 2022 के मामलों से अधिक था। वास्तविकता यह भी है कि ब्यूरो के आंकड़े केवल पुलिस में दर्ज कराए गए मामलों को दर्शाते हैं। जबकि पारिवारिक हिंसा, उत्पीड़न और घरेलू परेशानियों का बहुत बड़ा हिस्सा अक्सर दर्ज नहीं होता।

लोगों के अनुभव बताते हैं कि घरेलू हिंसा और परिस्थितिजन्य डर के कारण कई मामलों की शिकायत ही नहीं की जाती। कई मामलों में तो विभिन्न प्रकार के डर, दबाव और धमकियों की वजह से की गई शिकायत भी वापस ले ली जाती है। इनके अलावा, मौजूदा समय में डिजिटल और आनलाइन हिंसा भी तेजी से समाज में जड़ें जमा रही हैं। इसे रोकने के लिए कानून और सुरक्षा प्रणालियां पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हो सकी हैं, जिनका खमियाजा लड़कियों को भुगतना पड़ रहा है।

केंद्र और राज्य सरकारें अपनी ओर से इस समस्या के निराकरण के लिए कई कदम उठा रही हैं। निर्भया अधिनियम, पाक्सो अधिनियम, घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, बाल विवाह निषेध अधिनियम जैसे कानून और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, निर्भया फंड, महिला हेल्प लाइन, महिला थाने और 'पिंक पेट्रोलिंग' जैसी योजनाएं इसके उदाहरण हैं। मगर लड़कियों की सुरक्षा केवल कानून और योजनाएं बना देने भर से सुनिश्चित नहीं होगी, बल्कि कड़ाई से इनका अनुपालन भी उतना ही जरूरी है।

एक बहुत बड़ा दायित्व सामाजिक सोच से जुड़ा है। आज भी जिस तरह की सोच समाज में लड़कियों को लेकर बनी हुई है, उसे स्वस्थ नहीं कहा जा सकता। इसमें कोई संदेह नहीं कि स्थितियों में परिवर्तन आया है, परंतु अभी भी परिवर्तन का दायरा सीमित है और अधिकांश लड़कियों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

यह एक ऐसी लड़ाई है जिसमें सरकारी, सामाजिक और व्यक्तिगत प्रयासों में समन्वय बेहद जरूरी है। लड़कियों की सुरक्षा केवल कानून व्यवस्था का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रशासनिक प्रतिबद्धता, सामाजिक चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी का सवाल बन चुका है। बेटियों को खुलकर अपनी बात कहने का अधिकार और समान अवसर देना होगा।

सबसे जरूरी यह समझना है कि लड़कियों की सुरक्षा का खतरा कहां से आता है। इसके लिए लड़कों से भी खुल कर बात करनी होगी और ऐसे संस्कार देने होंगे, जिनमें वे लड़कियों को बराबरी का इंसान समझें। गलत करने वाले को बचाने की मानसिकता ही असली खतरा है।

परिवार में ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहां लड़कियों को हर स्तर पर समान अधिकार और सम्मान मिले। बालिकाएं केवल परिवार या समाज की नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला हैं। शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, समान अवसर और सम्मान–इन सबके बिना विकास अधूरा रहेगा। लक्ष्य ऐसा समाज बनाना होना चाहिए, जहां हर लड़की निडर होकर अपने सपनों की उड़ान भर सके।

समाज के लिए सब कुछ, परिवार के लिए कुछ भी नहीं? क्या हमारी संवेदना दिखावे तक सिमट गई है?

अक्सर हम समाज सेवा, देश की उन्नति और दूसरों के दुख में हाथ बंटाने की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। ये बातें सुनने और कहने में बहुत गर्व का अनुभव कराती हैं, लेकिन क्या यह सब तब भी उतना ही सच्चा और प्रभावी रहता है, जब हम अपने ही परिवार के किसी सदस्य की सिसकियों को अनसुना कर देते हैं? क्या यह संभव है कि हम समाज के लिए ईमानदारी से कार्य करें, जबकि अपने ही घर के लोगों की तकलीफों को समझने और उनके सुख-दुख में सहभागी बनने का समय हमारे पास नहीं हो? सच यह है कि अगर हम अपने परिवार के साथ भावनात्मक रूप से जुड़े नहीं हैं, उनके सुख-दुख को महसूस नहीं कर पाते, तो हमारी समाज सेवा और दूसरों के प्रति दया-भाव महज एक दिखावा है। यह असल में उस वास्तविकता से मुंह मोड़ने जैसा है, जिसे हम स्वयं समझना और स्वीकार करना ही नहीं चाहते। सवाल है कि परिवार और संवेदना के साथ गहरे जुड़े होने की अपेक्षा पालने वाले समाज में एक दूसरे के बीच इस अदृश्य दूरी की संस्कृति कैसे और क्यों विकसित हुई?

आज का दौर सोशल मीडिया का है, जहां हर कोई दूसरों के लिए अच्छा दिखने की होड़ में लगा हुआ है। लोग समाज सेवा, इंसानियत और बड़े-बड़े बलिदानों की बातें करते हैं। यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि वे दूसरों के लिए सब कुछ कर सकते हैं। कभी-कभी वे मदद भी करते हैं, लेकिन क्या यह मदद वास्तव में सच्चे दिल से होती है? या यह केवल अपनी छवि बनाने के लिए की जाती है? यह देखकर दुख होता है कि जो लोग दूसरों के लिए स्वयं को त्यागने की बातें करते हैं, वे अपने ही घर के उन लोगों को अनदेखा कर देते हैं, जो उनके सबसे करीबी होते हैं।

मां-बाप, भाई-बहन, जीवन-साथी- इनके दुख, पीड़ा और संघर्ष को वे नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन जैसे ही कोई बाहरी व्यक्ति मदद की गुहार लगाता है, वे तुरंत उसे अपना समय, पैसा और ऊर्जा देने को तैयार हो जाते हैं। किसी के लिए कुछ किए जाने या किसी की मदद करने के बदले कुछ अपेक्षा करना या फिर इस शर्त पर किसी की मदद करना क्या मदद की गरिमा को कम नहीं करता? सहायता के बदले में कोई लाभ मिलने की अपेक्षा मानवीय संवेदना की ईमानदारी को कठघरे में खड़ा करता है। इस तरह की सहायता को दरअसल सौदा कहना ज्यादा बेहतर होगा।

प्रश्न उठता है कि ऐसा क्यों होता है? क्या हमारी प्राथमिकताएं गलत हो चुकी हैं? क्या हमारी सोच इस हद तक बदल गई है कि हमें अपने अपनों का दर्द महसूस ही नहीं होता? जो लोग दिन-रात हमारे लिए काम करते हैं, हमारे हर सुख-दुख में साथ रहते हैं, उनकी अहमियत हमें क्यों नहीं समझ में आती? मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और बाहरी दुनिया में व्यस्तता ने हमारे रिश्तों को गहराई से प्रभावित किया है। दिन भर स्क्रीन पर उलझे रहना, आनलाइन अपनी 'परफेक्ट इमेज' यानी मुकम्मल छवि बनाने की कोशिश और दूसरों से तारीफें पाना हमारी प्राथमिकता बन गई है। परिवार, जो हमारी सबसे बड़ी ताकत और हमारे जीवन की नींव है, कहीं पीछे छूटता जा रहा है। एक पल के लिए भी याद रखना जरूरी क्यों नहीं समझते कि हम अपनी जीवन-यात्रा में आज जहां तक का भी सफर पूरा कर सके हैं, उसमें परिवार और माता-पिता की सबसे अहम भूमिका रही है?

हम अपने घर के उन रिश्तों को क्यों नहीं गले लगाते, जिन्होंने हमें हमेशा सहारा दिया है? क्यों हम उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के बजाय उन्हें अकेला महसूस करने देते हैं? क्या यह स्वार्थ है, या समाज में अपनी छवि चमकाने की झूठी होड़? यह कहना गलत नहीं होगा कि समाज सेवा और दूसरों की मदद करना जरूरी है। यह हमारी इंसानियत का प्रतीक है, लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी है कि हम अपने परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। वे लोग, जो बिना किसी स्वार्थ के हमारे साथ खड़े रहते हैं, जो हमें निस्वार्थ प्रेम करते हैं, उनके दर्द को समझना और उनके सुख-दुख में सहभागी बनना हमारी पहली जिम्मेदारी है।

हमें अपने परिवार के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त करना चाहिए। यह दिखाना चाहिए कि हम हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े हैं। उनके दुख के समय उन्हें गले लगाना, उनके संघर्ष में साथ देना और उन्हें यह विश्वास दिलाना कि वे हमारे लिए कितने खास हैं, यह सब हमारी प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए। परिवार केवल खून का रिश्ता नहीं है। यह वह आधार है, जो हमें मजबूत बनाता है। यह वह जड़ है, जिससे हमारा जीवन पनपता है। अगर हम इस जड़ को ही भूल जाएंगे, तो हमारी बाकी सभी उपलब्धियां खोखली और अस्थायी सिद्ध होंगी।

समाज सेवा और परोपकार महत्त्वपूर्ण हैं, लेकिन वे तब तक अधूरे हैं, जब तक हम अपने परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से नहीं निभाते। परिवार का अर्थ बहुत व्यापक है, लेकिन इसके बिना जीवन अधूरा है। अगर हम अपने सबसे करीबी रिश्तों में प्रेम, विश्वास और समर्पण नहीं दिखा सकते, तो बाहरी दुनिया के लिए किया गया हर प्रयास केवल एक छलावा बनकर रह जाता है। सच्चा इंसान वही है, जो अपने परिवार और समाज- दोनों के प्रति संतुलन बनाए रखता है तथा जो अपने परिवार को यह एहसास दिला सके कि वे उसके लिए सबसे महत्त्वपूर्ण हैं और समाज के प्रति भी अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वाह करे। यही वास्तविकता है और यही जीवन की सच्ची उपलब्धि।

भारत में एक नए उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक का निर्माण हुआ है

हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व के निर्वहन के लिए नागरिकों को जागरूक किए जाने का प्रयास लगातार किया जाता रहा है और पश्चिमी सभ्यता के आधार पर केवल अधिकार के भाव को बढ़ावा नहीं दिया जाता है। हिंदू वेदों एवं पुराणों के अनुसार प्रत्येक राजा का यह प्रथम कर्तव्य है कि वह अपने राज्य में निवास कर रहे नागरिकों की समस्याओं को दूर करने का भरसक प्रयास करे ताकि उसके राज्य में नागरिक सुख शांति से प्रसन्नता पूर्वक निवास कर सकें। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत को विकसित किया था। यह एक ऐसा सिद्धांत है जो व्यक्ति एवं समाज के बीच एक संतुलित सम्बंध स्थापित करने पर जोर देता है। एकात्म मानववाद का उद्देश्य प्रत्येक मानव को गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करना है एवं अंत्योदय अर्थात समाज के निचले स्तर पर स्थित व्यक्ति के जीवन में सुधार करना है। विशेष रूप से भारत में आज के परिप्रेक्ष्य में इस सिद्धांत का आश्य यह भी है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज में अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का लक्ष्य प्रत्येक राजनीतिक दल का होना चाहिए। परंतु, आज की पश्चिमी सभ्यता, जो पूंजीवाद पर आधारित नीतियों पर चलती हुई दिखाई देती है, के अनुसरण में मानव केवल अपने हितों का ध्यान रखता हुआ दिखाई देता हैं एवं अपना केवल भौतिक (आर्थिक) विकास करने हेतु प्रयासरत रहता है और उसमें अपने परिवार एवं समाज के प्रति जिम्मेदारी के भाव का पूर्णतः अभाव दिखाई देता है। अतः विश्व के समस्त देशों द्वारा अपने नागरिकों एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्व के निर्वहन को आंकने के उद्देश्य से भारत में उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक का निर्माण किया गया है। नई दिल्ली में दिनांक 20 जनवरी 2026 को उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक (ोज्दहेंग्त ूदहे घ्ह्) का लोकार्पण किया गया। यह पहल देशों का मूल्यांकन केवल शक्ति अथवा समृद्धि से नहीं, बल्कि नागरिकों, पर्यावरण एवं वैश्विक समुदाय के प्रति उनके उत्तरदायित्व के निर्वहन के आधार पर करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। 21वीं सदी के लिए यह विमर्श समयोचित और आवश्यक है।

उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक को पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने डॉक्टर अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित किया। वैश्विक स्तर पर इस प्रकार का सूचकांक पहली बार बनाया गया है और इसे बनाने में भारत के ही विभिन्न संस्थानों ने अपना योगदान दिया है। इस सूचकांक के माध्यम से यह आंकने का प्रयास किया गया है कि विभिन्न देशों द्वारा अपने नागरिकों के हित में अपने अधिकारों का उत्तरदायित्वपूर्ण प्रयोग किस प्रकार किया जा रहा है (आंतरिक उत्तरदायित्व का निर्वहन), वैश्विक समुदाय के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन किस प्रकार किया जा रहा है (बाह्य उत्तरदायित्व का निर्वहन) एवं पर्यावरण को बचाने के लिए अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन किस प्रकार किया जा रहा है (पर्यावरण उत्तरदायित्व का निर्वहन)। उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक 7 आयाम, 15 दृष्टिकोण एवं 58 संकेतकों को शामिल करते हुए निर्मित किया गया है। विश्व के 154 देशों का इस सूचकांक के आधार पर मूल्यांकन किया गया है। सिंगापुर को इस सूचकांक की रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है, इसके बाद स्विजरलैंड द्वितीय स्थान पर, डेनमार्क तृतीय स्थान पर, साइप्रस चौथे स्थान पर रहे हैं। भारत को 16वां स्थान प्राप्त हुआ है। विश्व के शक्तिशाली देशों का स्थान उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक की सूची में बहुत निचले स्तर पर पाया गया है। अमेरिका 66वें स्थान पर रहा है, जो लिबिया से भी एक पायदान नीचे है। जापान 38वें स्थान पर रहा है। पाकिस्तान 90वें स्थान पर, चीन 68वें स्थान पर एवं अफगानिस्तान 145वें स्थान पर रहा है।

उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक का निर्माण मुख्य रूप से भारतीय प्रबंधन संस्थान (घ्घ्श), मुंबई एवं जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली ने मिलकर किया है। इस सूचकांक के निर्माण में 3 वर्षों तक लगातार कार्य किया गया है एवं उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक के निर्माण में विश्व बुद्धिजीवी प्रतिष्ठान का भी सहयोग लिया गया है। उक्त सूचकांक के निर्माण के लिए कुल 154 देशों से विभिन्न मापदंडों पर आधारित वर्ष 2023 तक के सम्बंधित आंकडें इक्ट्ठे किये गए है एवं इन आंकड़ों एवं जानकारी का विश्लेषण करने के उपरांत इस सूचकांक का निर्माण किया गया है। यह आंकड़े एवं जानकारी विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र संघ, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं खाद्य एवं कृषि संस्थान जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से लिए गए है।

आज पूरे विश्व में विभिन्न देशों की आर्थिक प्रगति को सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर से आंका जाता है, यह मॉडल पूंजीवाद पर आधारित है एवं इस मॉडल के अनुसार देश में कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों में हुए उत्पादन को जोड़कर सकल घरेलू उत्पाद का आंकलन किया जाता है। इस मॉडल में कई प्रकार की कमियां पाई जा रही है। किसी भी देश में पनप रही आर्थिक असमानता, गरीबी रेखा से नीचे जीवन जी रहे नागरिकों की आर्थिक प्रगति, मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी एवं वित्तीय समावेशन जैसे विषयों पर उक्त मॉडल के अंतर्गत विचार ही नहीं किया जाता है। अमेरिका सहित विश्व के कई देशों में अब यह मांग की जा रही है कि आर्थिक प्रगति को आंकने के लिए सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि सम्बंधी मॉडल के स्थान पर एक नए मॉडल का निर्माण किया जाना चाहिए।

भारतीय सनातन संस्कृति के अनुसार, किसी भी राष्ट्र में आर्थिक प्रगति तभी सफल मानी जाएगी जब पंक्ति में अंतिम पायदान पर खड़े नागरिक को भी समाज हित में बनाई जा रही आर्थिक नीतियों का लाभ पहुंचे। वर्तमान में, सकल घरेलू उत्पाद के अनुसार आर्थिक प्रगति आंकने के मॉडल में इस प्रकार की व्यवस्था नहीं है इसीलिए कई देशों में गरीब और अधिक गरीब हो रहे है तथा अमीर और अधिक अमीर हो रहे है। नए विकसित किए गए उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक में यह आंकने का प्रयास किया गया है कि शासन प्रणाली किस प्रकार से नैतिक धारणाओं को ध्यान में रखकर अपनी आर्थिक नीतियों का निर्माण कर रही है, राष्ट्र में समावेशी विकास हो रहा है अथवा नहीं एवं राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने दायित्वों के निर्वहन के संदर्भ में सरकार द्वारा किस प्रकार की नीतियां बनाई जा रही हैं। साथ ही, धर्म आधारित सदाचार सम्बंधी भारतीय सभ्यता एवं वैश्विक सुख शांति स्थापित करने के सम्बंध में किस प्रकार देश की नीतियां निर्धारित की जा रही हैं, इस विषय को भी उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक के निर्माण में स्थान दिया गया है।

पश्चिमी देशों की अर्थव्यवस्थाएं आर्थिक प्रगति तो तेज गति से करती दिखाई देती हैं और कई पश्चिमी देश आज विकसित देशों की श्रेणी में शामिल भी हो गए हैं। परंतु, इन देशों में मानवतावादी दृष्टिकोण का पूर्णतः अभाव है। पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं में केवल 'मैं' के भाव को स्थान प्राप्त है। 'मैं' किस प्रकार आर्थिक प्रगति करुं, इस 'मैं' के भाव में परिवार एवं समाज कहीं पीछे छूट जाता है। इससे पश्चिमी देशों में सामाजिक तानाबाना पूर्णतः छिन्न भिन्न हो रहा है। युवा वर्ग अपने माना पिता की देखभाल करने के लिए तैयार ही नहीं हैं। आज अमेरिका में लगभग 6 लाख बुजुर्ग खुले आसमान के नीचे अपना जीवन यापन करने को मजबूर हैं क्योंकि उनके बच्चे उन्हें अकेला छोड़कर केवल अपना आर्थिक विकास करने में संलग्न हैं। इसी प्रकार की कई सामाजिक कुरीतियों ने पश्चिमी देशों में अपने पैर पसार लिए हैं। पश्चिमी सभ्यता के ठीक विपरीत, भारतीय संस्कृति में 'मैं' के स्थान पर 'हम' के भाव को प्रभावशाली स्थान प्राप्त है। भारतीय सनातन संस्कृति पर आधारित संस्कारों को ध्यान में रखकर ही विभिन्न देशों द्वारा अपने नागरिकों के प्रति उनके उत्तरदायित्व को आंकने का प्रयास उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक के माध्यम से किया गया है।

संक्षेप में एक बार पुनः यह बात दोहराई जा सकती है कि उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक विविध देशों का आंकलन पारम्परिक शक्ति अथवा सकल घरेलू उत्पाद केंद्रित मानकों के बजाय उत्तरदायी शासन के आधार पर करता है। यह सूचकांक तीन मूल आयामों पर आधारित है - (1) आंतरिक उत्तरदायित्व अर्थात गरिमा, न्याय और नागरिक कल्याण का आंकलन करता है। (2) पर्यावरणीय उत्तरदायित्व अर्थात प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और जलवायु कार्यवाही का मूल्यांकन करता है। (3) बाह्य अत्तरदायित्व अर्थात शांति, बहुपक्षीय सहयोग और वैश्विक स्थिरता में किसी देश के योगदान को मापता है। यह सूचकांक वैश्विक आंकलन को आर्थिक एवं सैन्य शक्ति के पारम्परिक मानकों से पृथक कर नैतिक शासन, सामाजिक कल्याण, पर्यावरणीय संरक्षण और अंतरराष्ट्रीय उत्तरदायित्व पर केंद्रित करता है। यह सूचकांक मूल्य आधारित और मानव केंद्रित ढांचे को बढ़ावा देता है, जो नैतिक नेतृत्व, सतत विकास और वैश्विक शासन में सुधार सम्बंधी भारत की दृष्टि के अनुरूप है। इस प्रकार भारत ने वैश्विक स्तर पर संभवतः प्रथम सूचकांक जारी किया है। यदि वैश्विक स्तर पर कई देश इस सूचकांक के आधार पर अपने देश के नागरिकों के प्रति अपने उत्तरदायित्व के निर्वहन के आंकलन पर ध्यान देने का प्रयास करेंगे तो निश्चित ही उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक पूरे विश्व में एक क्रांतिकारी सूचकांक के रूप में स्थापित होगा।

जनपद में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 200 से अधिक लोगों ने लिया भाग, 50 से ज्यादा ने किया रक्तदान

प्रयागराज। होटल लीजेंड, सिविल लाइंस, प्रयागराज में वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन, प्रयागराज द्वारा जनरल हॉस्पिटल ब्लड सेंटर के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया तथा 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैंटोनमेंट बोर्ड के सीईओ श्री प्रवीण कुमार रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की। सभी प्रतिभागियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच भी की गई तथा रक्तदान की प्रक्रिया चिकित्सकीय देखरेख में सुरक्षित रूप से सम्पन्न हुई। होटल प्रबंधन की ओर से नितिन दयाल सिंह, जनरल मैनेजर, होटल लीजेंड एवं दीप चंद, एचआर मैनेजर, होटल लीजेंड उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि होटल लीजेंड भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं जनहितकारी कार्यक्रमों के आयोजन में निरंतर सहयोग देता रहेगा। आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं, स्वयंसेवकों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

मंत्री ने बूथ समितियों के साथ बैठक कर नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयास की समीक्षा की

पात्र मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहने पाएं, इसलिए निभाएं सक्रिय जिम्मेदारी- नन्दी

प्रयागराज। प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने शुक्रवार को प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथ क्षेत्रों में बूथ समितियों के साथ बैठक कर भारत निर्वाचन आयोग के आदेश पर मतदाता सूची में नए मतदाताओं का नाम जोड़े जाने एवं त्रुटि सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। इस दौरान मंत्री नन्दी ने बूथ अध्यक्षों के साथ ही लोगों से मुलाकात की।

मंत्री नन्दी ने कहा कि एक जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नवयुवकों यानि नए मतदाताओं एवं छूटे हुए पात्र मतदाताओं से फॉर्म-6 भरवाए जा रहे हैं। इसके अलावा मृतक एवं अनधिकृत मतदाताओं के नाम सूची से हटाने के लिए फॉर्म-7 तथा नाम, पिता-पति का नाम, आयु आदि में संशोधन के लिए फॉर्म-8 भरवाया जा रहा है।

कार्यकर्ताओं एवं बूथ समितियों से अपील करते हुए कहा कि पात्र पागरिकों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने में मदद करें। जिनके पास दस्तावेज नहीं है, उनकी मदद कर तत्काल बनवाकर बीएलओ को दें ताकि पात्र व्यक्ति मतदान के अधिकार से वंचित न रहने पाए। बीएलओ से भी कहा कि एक भी पात्र मतदाता छूटने न पाए और सभी के नाम क्रमबद्ध सूची में शामिल हो जाएं। मंत्री नन्दी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के नियम के अनुसार फॉर्म 6 भरते समय जन्मतिथि एवं आवासीय पते के साक्ष्य के रूप में आधार कार्ड मान्य है। जन्मतिथि के साक्ष्य के रूप में आधार कार्ड के अलावा भी पाँच अन्य विकल्प उपलब्ध है। जिनमें से भी कोई एक दस्तावेज साक्ष्य के रूप में मान्य होगा। इसी प्रकार आवासीय पते के साक्ष्य के रूप में आधार कार्ड के अलावा छह अन्य विकल्प उपलब्ध है। जिनमें से भी कोई एक दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में मान्य होगा। इन सारे दस्तावेजी विकल्पों की लिस्ट फार्म 6 में ही दी गई है। दस्तावेजी साक्ष्य देने पर आवेदक का नाम मतदाता सूची में जोड़ दिया जाएगा।

बहादुरगंज में बूथ अध्यक्ष 234 श्रीमती रचना श्रीवास्तव, बतासा मंडी में बूथ अध्यक्ष 281 सुनील दुबे, जीरो रोड में बूथ अध्यक्ष 282 संजय गोयल, बादशाही मंडी में कोषाध्यक्ष चौक मंडल रत्नेश यादव, बूथ अध्यक्ष 277 शाश्वत मिश्रा, बूथ अध्यक्ष 280 गोविंद स्वर्णकार बूथ अध्यक्ष 279 प्रहलाद जायसवाल, जीरो रोड में रतन केसरवानी, गंगादास चौक में महामंत्री किशोर चौरसिया के आवास पर बूथ समितियों के साथ बैठक कर नए मतदाताओं का नाम जोड़वाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की।

इस अवसर पर चौक मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य, सेक्टर संयोजक अविनाश त्रिपाठी, अनुराग पाठक, अनूप मिश्र, राजेश केसरवानी, सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारीगण, कार्यकर्तागण एवं क्षेत्र के सम्मानित मतदातागण उपस्थित रहे।

चतुर्थ दिवस

श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय-4 : ज्ञानकर्मसंन्यास योग

सनातन ज्ञान-परंपरा, अवतार-तत्त्व और ज्ञानयज्ञ की दिव्यता- इं.देवेंद्र नाथ शुक्ल 'कृष्णार्पित'

प्रयागराज, माघ मेला।

पावन संगम नगरी प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र में हर्षवर्धन मार्ग स्थित कृष्णार्पित ट्रस्ट के पंडाल में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर अध्यात्म, संस्कृति और सनातन जीवन-दर्शन से अनुप्राणित श्रीमद्भगवद्गीता के चतुर्थ अध्याय – ज्ञानकर्मसंन्यास योग का अत्यंत भावगर्भित, गूढ़ एवं लोकमंगलकारी विवेचन प्रस्तुत किया गया। कथा-वाचन इं. देवेंद्र नाथ शुक्ल 'कृष्णार्पित' द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक ऋचाओं के सस्वर पाठ, मंगलाचरण एवं 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः' के सामूहिक जप से हुआ, जिससे सम्पूर्ण पंडाल आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित हो उठा।

सनातन ज्ञान की अक्षुण्ण परंपरा

कथावाचक श्री शुक्ल ने कहा कि गीता का यह अध्याय भारत की उस अविच्छिन्न गुरु-शिष्य परंपरा का उद्घोष है, जिसने युगों-युगों तक मानवता को धर्म, कर्तव्य और आत्मबोध का मार्ग दिखाया है। यह ज्ञान न किसी काल में उत्पन्न हुआ और न कभी नष्ट हुआ–

'इमं विवस्वते योगं प्रोक्तवानहमव्ययम्'

सूर्य से मनु और मनु से इक्ष्वाकु तक प्रवाहित यह ज्ञान, राजर्षियों द्वारा समाज के नैतिक उत्थान हेतु प्रयुक्त होता रहा।

अवतार–लोकमंगल का महायज्ञ

श्रीकृष्ण के अवतार-तत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कथावाचक ने कहा कि ईश्वर का अवतरण व्यक्तिगत नहीं, सामूहिक कल्याण के लिए होता है। जब-जब धर्म क्षीण होता है और अधर्म बढ़ता है, तब भगवान अपनी योगमाया से प्रकट होते हैं–

'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत'

भगवान कर्म करते हुए भी कर्मबंधन से अछूते रहते हैं, क्योंकि उनके कर्म लोकसंग्रह के लिए होते हैं।

कर्म, अकर्म और विकर्म–जीवन का सूक्ष्म विज्ञान

चतुर्थ अध्याय को कर्म का दर्शन बताते हुए कहा गया कि–

विकर्म आत्मा को पतन की ओर ले जाता है,

कर्म जीवन को अनुशासित करता है,

अकर्म आत्मा को मुक्त करता है।

जो व्यक्ति कर्म करते हुए भी अहंकार और फल-आसक्ति से मुक्त रहता है, वही सच्चा योगी है।

ज्ञान–बंधन से मुक्ति का दीप

कथावाचक ने कहा कि अज्ञान अंधकार है और ज्ञान प्रकाश। ज्ञान ही वह दिव्य अग्नि है, जो जन्म-जन्मांतर के कर्मबंधनों को भस्म कर देती है–

'ज्ञानाग्निः सर्वकर्माणि भस्मसात्कुरुते तथा'

ज्ञान केवल पुस्तकीय नहीं, अपितु अनुभूति से उत्पन्न होता है।

ज्ञानयज्ञ–भारतीय संस्कृति की आत्मा

भारतीय संस्कृति में यज्ञ केवल अग्निकुंड तक सीमित नहीं है। संयम, तप, स्वाध्याय, इंद्रिय-निग्रह–ये सभी यज्ञ हैं, किंतु ज्ञानयज्ञ सर्वोच्च है।

ज्ञानयज्ञ से ही मनुष्य के भीतर विवेक जागृत होता है और संस्कार पुष्ट होते हैं।

गुरु-शिष्य परंपरा और विनय

कथावाचक ने कहा कि ज्ञान अहंकार से नहीं, विनय से प्राप्त होता है। प्रणाम, प्रश्न और सेवा–यही गुरु-कृपा का मार्ग है।

'तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया'

यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जिसने विश्व को अध्यात्म का मार्ग दिखाया।

श्रद्धा–साधना की प्राणवायु

श्रद्धा के बिना न ज्ञान फलित होता है, न साधना सफल होती है। श्रद्धावान साधक ही परम शांति को प्राप्त करता है।

कथा का सांस्कृतिक संदेश

चतुर्थ अध्याय यह सिखाता है कि–

कर्म से पलायन नहीं,

कर्म में पवित्रता लाना ही संन्यास है।

ज्ञान और कर्म का समन्वय ही सनातन संस्कृति का आधार है।

कथा के दौरान श्रद्धालुओं के ' राधे राधे', 'जय श्रीकृष्ण' और 'हर-हर गंगे' के जयघोष से सम्पूर्ण पंडाल भक्ति-रस से आप्लावित हो उठा।

यह कथा न केवल आध्यात्मिक उत्थान का साधन है, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक चेतना का जीवंत उद्घोष भी है।

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने माघ मेले में खास तौर पर महिलाओं के लिए शुरू किया निवेशक जागरूकता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एचडीएफसी म्यूचुअल फंड की निवेश प्रबंधक कंपनी एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने इन दिनों प्रयागराज में चल रहे माघ मेला 2026 में निवेशक जागरूकता अभियान शुरू किया है। 3 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक आयोजित माघ मेले में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं के बीच वित्तीय साक्षरता बढ़ाना और अनुशासित, दीर्घकालिक निवेश को प्रोत्साहित करना है।

यह अभियान एचडीएफसी म्यूचुअल फंड की निवेशक शिक्षा और जागरूकता पहल 'बरनी से आज़ादी' के तहत आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पारंपरिक बचत तरीकों, जिन्हें आमतौर पर 'बरनी' कहा जाता है, पर बनी निर्भरता को कम करना है। घरों में ऐसे बचत तरीके आज भी प्रचलित हैं, लेकिन नकद के रूप में या बरनी जैसे बर्तनों में रखा पैसा न तो बढ़ता है और समय के साथ उसकी वास्तविक कीमत भी घटती जाती है। इस पहल के माध्यम से लोगों को धीरे-धीरे एसआईपी आधारित म्यूचुअल फंड निवेश की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह जमीनी स्तर का अभियान 12 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक चलेगा, जो माघ मेला के सबसे अधिक भीड़ वाले समय के अनुरूप है। इस पहल के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नवनीत मुणोत ने कहा, 'वास्तविक वित्तीय आज़ादी की शुरुआत जागरूकता और छोटे लेकिन अनुशासित कदमों से होती है। पारंपरिक रूप से महिलाएं घरेलू बचत की संरक्षक रही हैं और 'बरनी से आज़ादी' पहल के माध्यम से हम निष्क्रिय बचत से उद्देश्यपूर्ण निवेश की ओर बदलाव को प्रोत्साहित कर रहे हैं। माघ मेले जैसे सामुदायिक मंचों पर निवेशक शिक्षा को ले जाकर हम लोगों तक पहुंचना चाहते हैं, और परिचित प्रतीकों व सरल विचारों के जरिए दीर्घकालिक, लक्ष्य-आधारित निवेश की शक्ति को समझाना चाहते हैं। वित्तीय समावेशन केवल उत्पादों तक पहुँच नहीं है, बल्कि भरोसा, विश्वास और समझ विकसित करने की प्रक्रिया है।'

इस अभियान के तहत माघ मेले में कई ऑन-ग्राउंड गतिविधियाँ की जा रही हैं, जिनमें पारंपरिक बचत का प्रतीक एक विशाल 'बरनी' इंस्टॉलेशन, मेले के विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक, एक आई-सक्षम फोटो बूथ और माघी पूर्णिमा पर दीया प्रवाह गतिविधि शामिल है। यह पहल एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के उस निरंतर प्रयास को दर्शाती है, जिसके तहत निवेशक शिक्षा को बड़े सामुदायिक मंचों तक पहुँचाया जा रहा है और औपचारिक वित्तीय माध्यमों से बाहर, परिचित और सुलभ तरीकों से व्यापक दर्शकों से जुड़ा जा रहा है।

पानी भरी बाल्टी में गिरने से एक वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। थाना क्षेत्र के जैतवारडीह डीघी गांव में शुक्रवार सुबह एक हृदयविदारक हादसे में एक वर्षीय मासूम की मौत हो गई। बाथरूम के पास रखी पानी से भरी बाल्टी में मुंह के बल गिरने से बच्चे की जान चली गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जैतवारडीह डीघी गांव निवासी गोपाल शर्मा का एक वर्षीय पुत्र शिवांश शुक्रवार सुबह लगभग साढ़े आठ बजे घर में खेल रहा था। खेलते-खेलते वह बाथरूम के पास रखी पानी से भरी बाल्टी के पास पहुंच गया और अचानक उसमें गिर पड़ा। काफी देर तक बच्चे के दिखाई न देने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, तभी शिवांश बाल्टी में गिरा हुआ मिला।

परिजन आनन-फानन में मासूम को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां-बाप सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बताया गया कि शिवांश दो बहनों के बीच इकलौता भाई था। इस दुखद घटना से पूरे गांव में शोक की लहर व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने इस घटना को बेहद पीड़ादायक बताते हुए घरों में छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरतने की अपील की है।

संगम की रेती पर दिखा नन्हा योगी : आने वाले समय में सार्थक धर्म, अध्यात्म क्षेत्र में बड़ा स्थान करेगा प्राप्त : स्वामी ब्रह्मश्रम महाराज

माघ मेला के चरखी दादरी आश्रम में चार वर्षीय सार्थक नागा कर रहे कल्पवास

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयागराज के संगम की रेती पर इन दिनों विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक और आध्यात्मिक मेला आयोजित हो रहा है। हालांकि माघ मेला अब पूर्णता की ओर बढ़ रहा है लेकिन इस माघ मेले में देश के कोने-कोने से आए कई साधु संत जहां अपनी खास वेषभूषा और कठिन साधना से लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। वहीं आज हम आपको मिलाने जा रहे हैं, 4 साल के एक ऐसे बच्चे से जो माघ मेले में अपने परिवार के साथ आया हुआ है लेकिन यहां पर आकर उसका मन पूरी तरह से धर्म और आध्यात्म में रम गया है। 4 साल के सार्थक के माता-पिता कानपुर से कल्पवास के लिए माघ मेले में आए हुए हैं लेकिन सार्थक ने जब यहां पर धर्म और अध्यात्म के रंग देखे तो वह भी इसी में पूरी तरह से रंग गया है।

माघ मेले के सेक्टर -6 ओल्ड जीटी रोड पर स्थित दंडी संन्यासी नगर में अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के अध्यक्ष स्वामी ब्रह्माश्रम महाराज के शिविर चरखी दादरी में रह रहा 4 साल का सार्थक उन्हीं की तरह पूजा पाठ करता है। सार्थक ने लंगोटी पहना है, वह गंगा स्नान कर पूजा और आरती भी करता है। उसे ऐसा करता देख अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महाराज भी उसे अपने बगल आसन पर बैठाते हैं।

सार्थक चूंकि छोटा बच्चा है, इसलिए वह कई बार आश्रम शिविर में बिना कपड़ों के घूमता रहता है, इसलिए उसे सब लोग नागा साधु कहकर भी बुलाते हैं। धर्म और अध्यात्म उसकी इतनी रुचि देखकर सभी हैरान हैं।

सार्थक नागा बाबा ने संस्कृत के कई श्लोक भी याद कर रखे हैं। पूछने पर वह श्लोक भी सुनाता है। सार्थक की सनातन के प्रति आस्था और लगाव को देखकर आश्रम में आने वाले लोग भी हैरत में पड़ जाते हैं।

सार्थक नागा प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित ज्वाला देवी सरस्वती शिशु मंदिर में एलकेजी कक्षा में पढ़ाई भी करते हैं। सार्थक ने फिलहाल किसी तरह से संन्यास की दीक्षा नहीं ली है लेकिन वह माघ मेले मं। पूरी तरह से साधु, संतों के बीच भगवा धारण करते हैं। भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी

स्वामी ब्रह्माश्रम महाराज ने बताया कि सनातन के प्रति जिस तरह के भाव और ललक सार्थक में देखने को मिल रही है। इससे लग रहा है कि आने वाले समय में सार्थक धर्म और अध्यात्म क्षेत्र में कोई बड़ा स्थान हासिल कर सकते हैं। उन्होंने सार्थक को शुभकामनाएं दी है। बरहाल माघ मेले में 4 साल के सार्थक की नागा बाबा के रूप में खूब चर्चा हो रही है। माघ मेले में आए 4 साल के सार्थक उर्फ नागा बाबा और अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के अध्यक्ष स्वामी ब्रह्माश्रम महाराज के साथ वृन्दावन जाने की तैयारी में है।

प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित ज्वाला देवी सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य इन्द्रजीत त्रिपाठी का कहना है कि सार्थक शुरू से मेधावी छात्र है। वह कक्षा में सेनापति है। बच्चों और शिक्षकों मे खूब घुल मिलकर रहता है, पढाई मे भी होशियार है।

सार्थक उर्फ नागा साधु का कहना है कि वह वृन्दावन संस्कृत पढने के लिये जाएगा। वह दण्डी आश्रम का चेला है, वह आगे चलकर भागवद कथा और रामकथा करते हुए सनातन धर्म को बढाएगा।

सार्थक द्विवेदी उर्फ़ नागा साधु का किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज से भी अच्छे संबंध है वह उनको भी गुरू जी कहता है। सार्थक द्विवेदी उर्फ़ नागा साधु माघ मेला में जब अन्य संत, महात्माओं के यहां मिलने जाता है तो वह शिष्य बनाने के लिए कहते है तो सार्थक कहता है कि वह दण्डी आश्रम के महराज का चेला है।

धर्म ही करता है सभी की रक्षा : सिने स्टार मनु पुरवार ने कहा कि सनातन धर्म का उत्थान होना बहुत जरूरी

कहा कि महाकुंभ, माघ मेला ने सनातनियों को दी संजीवनी, बढा विश्वास

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सिने स्टार, वर्ल्डवाइड फोटोग्राफर और प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर मनु पुरवार प्रयागराज के कटरा के माधोकुंज में रहते है। वह माघ मेला के लिए मुम्बई से आये हुए है। उन्होने माघ मेला के चार मुख्य स्नान पर्वो पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति, मौनी आमावस्या और बसंत पंचमी पर संगम स्नान किया।

सिने स्टार मनु पुरवार ने कहा कि सनातन धर्म के उत्थान की आज बहुत जरुरत है क्योकि धर्म ही सभी की रक्षा करता है और धर्म से बढकर कुछ नही है ऐसे में धर्म के संरक्षण, उत्थान और प्रचार - प्रसार की आज के परिवेश में बहुत जरुरत है।

सिने स्टार मनु पुरवार ने कहा कि भारत में आदि, अनादिकाल से सनातन धर्म को संरक्षित करते हुए आगे बढाया गया है जो आज भी साश्वत चल रहा है और आगे चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ - 2025 और माघ मेला - 2026 ने सनातन धर्म को नयी दिशा देते हुए ऊचाई दी, इसके पीछे युवाओं का और उनके अभिभावकों का श्रेय है क्योंकि पहली बार महाकुंभ प्रयागराज - 2025 में और माघ मेला प्रयागराज - 2027 में पहली बार देश, विदेश से रिकार्ड श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों ने गंगा, संगम में श्रद्धा और विश्वास के साथ स्नान करते हुए कल्पवास किया जो अब हमारे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हो गया है। माघ मेला - 2026 में भी देश, विदेश के श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों के आने से, कल्पवास करने से और स्नान करने से सनातन धर्म के प्रति श्रद्धा और विश्वास बढा है।

सिने स्टार मनु पुरवार ने कहा कि भारतीयों के लिए श्रीमदभागवद और श्रीरामचरित मानस सनातन के ग्रंथ है जो आज धर्म के साश्वत और सच्चे स्वरुप है जिनका लोग आज भी सम्मान करते हुए उसको स्वीकार करते है।

ज़ी ने लॉन्च किया दिलफ्लुएंसर मोमेंट्स

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारत की अग्रणी कंटेंट और टेक्नोलॉजी कंपनी 'ज़ी' ने आज 'दिलफ्लुएंसर मोमेंट्स' लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक ऐसा नया समाधान है, जिसके जरिए ब्रांड एक साथ कई स्क्रीन और अलग-अलग मंचों पर दर्शकों तक असरदार तरीके से पहुंच सकेंगे और अपनी अलग पहचान बना पाएंगे। लक्ष्मी शेट्टी, हेड - एडवर्टाइज़मेंट रेवेन्यू, ब्रॉडकास्ट एंड डिजिटल, ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने कहा, 'जब दर्शक बीच में रोकने वाले विज्ञापनों से दूर जा रहे हैं, तब विज्ञापनदाताओं को ऐसे पल चाहिए जो सच्चे लगें और लोगों से जुड़ें। 'दिलफ्लुएंसर मोमेंट्स' मार्केटर्स के लिए एक नया मीडिया फॉर्मेट है, जो किरदारों पर आधारित कंटेंट के जरिए बड़े स्तर पर पहुंच देता है। यह अलग-अलग मंचों पर सहज रूप से चलता है और दर्शकों से निजी स्तर पर जुड़ता है।

महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर परमार्थ निकेतन की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। सत्य और अहिंसा की ज्योति से संपूर्ण विश्व को आलोकित करने वाले 'राष्ट्रपिता' महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर आज परमार्थ निकेतन से श्रद्धा, कृतज्ञता और संकल्प के साथ उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। आज की गंगा जी की आरती पूज्य बापू को समर्पित की।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि महात्मा गांधी जी का जीवन त्याग, तप, सेवा और सादगी की अद्भुत गाथा है। उन्होंने सिद्ध किया कि सत्य की शक्ति तलवार से अधिक प्रखर होती है और अहिंसा का बल किसी भी साम्राज्य को झुका सकता है। उनके नेतृत्व में भारत ने राजनीतिक स्वतंत्रता, नैतिक और आध्यात्मिक स्वतंत्रता का मार्ग भी खोजा। बापू ने विश्व को संदेश दिया कि वास्तविक क्रांति बाहरी संघर्ष से नहीं, बल्कि आंतरिक परिवर्तन से आती है। गांधी जी ने सदा प्रेम, करुणा और समरसता का संदेश दिया। उन्होंने किसी भी प्रकार के भेदभाव, हिंसा और घृणा को मानवता के लिए घातक बताया। उनका स्वप्न ऐसा भारत था, जहाँ हर व्यक्ति को समान अवसर मिले, जहाँ स्त्री-पुरुष, गरीब-अमीर, जाति-धर्म के भेद से ऊपर उठकर सब एक परिवार की भांति रहें। आज उनकी पुण्यतिथि हमें उसी समरस, स्वावलंबी और संस्कारित भारत के निर्माण का संकल्प लेने का अवसर प्रदान करती है। महात्मा गांधी जी का जीवन एक दीपस्तंभ है, जो युगों-युगों तक मानवता को दिशा देता रहेगा। उनके आदर्श हमें निरंतर स्मरण कराते हैं कि जब व्यक्ति अपने भीतर सत्य और प्रेम की ज्योति प्रज्वलित करता है, तब सम्पूर्ण राष्ट्र प्रकाशमान हो उठता है। आइए, हम सब मिलकर बापू के सपनों के स्वच्छ, सशक्त, नैतिक और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प लें।

कोंकण आयुक्त को नहीं भेजा गया चुनावी पत्र, अतिरिक्त चार्ज भी नहीं सौंपा

आयुक्त छुट्टी पर, भिवंडी मनपा में मेयर चुनाव पर ब्रेक!

आयुक्त अनमोल सागर की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका में महापौर चुनाव से ठीक पहले मनपा आयुक्त अनमोल सागर का एक सप्ताह की लंबी छुट्टी पर चले जाना अब सियासी और प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। आयुक्त की अनुपस्थिति के कारण महापौर चुनाव से संबंधित आवश्यक पत्र कोंकण विभागीय आयुक्त को न भेजे जाने से भिवंडी मनपा में मेयर चुनाव अन्य महानगरपालिकाओं की तुलना में और अधिक खिसकने के आसार बन गए है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि छुट्टी पर जाते समय आयुक्त अनमोल सागर ने किसी भी वरिष्ठ अधिकारी को आधिकारिक रूप से अतिरिक्त चार्ज नहीं सौंपा। महापौर चुनाव जैसे संवेदनशील समय में आयुक्त का अवकाश पर जाना और वैकल्पिक व्यवस्था न करना, उनकी कार्यप्रणाली और प्रशासनिक सूझबूझ पर सवालिया निशान खड़े कर रहा है।

गौरतलब है कि भिवंडी मनपा चुनाव के नतीजे 16 जनवरी को घोषित हुए थे। नगर विकास मंत्रालय के नियमों के अनुसार, बहुमत के आंकड़े वाले राजनीतिक दल द्वारा महापौर का चुनाव किया जाता है। लेकिन भिवंडी में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने से सत्ता की चाबी फिलहाल छोटे दलों और निर्दलीयों के हाथों में है।

90 नगरसेवकों वाली भिवंडी मनपा में कांग्रेस के सर्वाधिक 30 नगरसेवक हैं,जबकि भाजपा महायुति के पास 35 नगरसेवक हैं। बहुमत के लिए 47 नगरसेवकों की जरूरत होती है, जो किसी भी दल के पास नहीं है। ऐसे में राकांपा (शरद पवार) के 12 और समाजवादी पार्टी के 6 नगरसेवक महापौर चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाने की स्थिति में हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि महापौर पद को लेकर नगरसेवकों की खरीद-फरोख्त शुरू हो चुकी है। चुनाव में हो रही देरी से भारी भ्रष्टाचार और बड़े लेनदेन की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। बताया जा रहा है कि कांग्रेस, राष्ट्रवादी और सपा के कई नगरसेवक मोबाइल बंद कर 'नॉट रीचेबल' हो चुके हैं, ताकि राजनीतिक दबाव और जोड़-तोड़ से दूर रह सकें।

प्रदेश की अधिकांश महानगरपालिकाओं में महापौर चुनाव की तारीखें फरवरी के पहले सप्ताह में कोंकण विभागीय आयुक्त द्वारा घोषित कर दी गई हैं, लेकिन भिवंडी मनपा की तारीख अब तक घोषित नहीं हुई है। इसकी मुख्य वजह महापौर चुनाव से संबंधित पत्र का कोंकण आयुक्त को न भेजा जाना बताया जा रहा है। कई नगरसेवकों ने आरोप लगाया है कि महापौर चुनाव के ऐन मौके पर आयुक्त का छुट्टी पर जाना और किसी को चार्ज न सौंपना संदेह पैदा करता है। आरोप यह भी है कि आयुक्त अनमोल सागर ने जानबूझकर कुछ राजनीतिक दलों को समय देने और उन्हें फायदा पहुंचाने के इरादे से यह कदम उठाया है।

इस मामले में मनपा के अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया।

अब देखना यह है कि प्रशासन इस देरी पर क्या कदम उठाता है और भिवंडी को नया महापौर कब मिलता है, क्योंकि हर गुजरते दिन के साथ सियासी सौदेबाजी की आशंकाएं और गहराती जा रही हैं।

भिवंडी शहर पुलिस ने दर्ज किया गंभीर मामला

शादी का झांसा देकर महिला से बार-बार दुष्कर्म, आरोपी फरार

शादी से किया इनकार, शिकायत पर जान से मारने की धमकी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर में दुष्कर्म की घटनाओं में लगातार इजाफा होता नजर आ रहा है। ताजा मामले में शादी का झांसा देकर एक महिला के साथ लंबे समय तक जबरन दुष्कर्म किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर भिवंडी शहर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, हालांकि वारदात के बाद से आरोपी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, संगमपाड़ा इलाके में रहने वाले राकेश गुप्ता (40) ने भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन की सीमा में रहने वाली 30 वर्षीय महिला से पहले दोस्ती की। इसके बाद उसने महिला को शादी का वादा कर विश्वास में लिया और 22 फरवरी 2022 से 23 जनवरी 2026 के बीच कई बार उसे उसकी सहेली के घर सहित अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर जबरन दुष्कर्म किया।

जब पीड़िता ने आरोपी पर शादी करने का दबाव बनाया तो राकेश गुप्ता ने न केवल शादी से इनकार कर दिया, बल्कि पुलिस में शिकायत दर्ज कराने पर महिला को जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद पीड़िता को अपने साथ हुए धोखे और अत्याचार का एहसास हुआ और उसने पुलिस से संपर्क कर पूरे मामले की जानकारी दी।

पीड़िता की शिकायत के आधार पर भिवंडी शहर पुलिस ने 29 जनवरी को आरोपी राकेश गुप्ता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64(1), 64(2)(3) और 351(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

एक दिन पहले नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार.....

उल्लेखनीय है कि इस घटना से एक दिन पहले ही भिवंडी शहर पुलिस ने शादी का झांसा देकर नाबालिग लड़की से लगातार दुष्कर्म करने वाले कामतघर निवासी दिनेश चंद्रभूषण रस्तोगी (22) को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने एक नाबालिग लड़की के भोलेपन का फायदा उठाते हुए 23 अगस्त 2023 से 20 नवंबर 2025 के बीच अपने घर में उसके साथ बार-बार शारीरिक शोषण किया था। इस मामले में पीड़िता की मां ने 27 जनवरी को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शारीरिक शोषण और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने भिवंडी शहर में महिलाओं और नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बापू के आदर्शों को आत्मसात कर विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दें : सीएम योगी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान देने का आह्वान किया। योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन।'' सीएम योगी ने लिखा, ''श्रद्धेय 'बापू' का सत्यनिष्ठ आचरण, अहिंसा की उनकी अडिग साधना और मानवता के प्रति अनन्य करुणा संपूर्ण विश्व को सदैव आलोकित करती रहेंगी।'' मुख्यमंत्री ने आह्वान किया, ''आइए, 'बापू' के आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दें।'' महात्मा गांधी की 1948 में आज ही के दिन नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

15 दिनों में दूसरी बड़ी सजा

नाबालिग से दरिंदगी का दोषी 20 साल के लिए सलाखों के पीछे

भिवंडी कोर्ट का सख्त फैसला, पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी को सश्रम कारावास व जुर्माना

भिवंडी। भिवंडी शहर में नाबालिग बच्ची के साथ हुए जघन्य अत्याचार के मामले में अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला भिवंडी के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने सुनाया है, जिससे शहरवासियों में संतोष का माहौल है। सजा पाने वाले आरोपी का नाम अब्दुल कलाम उर्फ सद्दाम पीर मोहम्मद अंसारी (36) है, जो नारपोली पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित कैलाश नगर का निवासी है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने वर्ष 2019 में एक नाबालिग लड़की के साथ शारीरिक अत्याचार किया था। इस संबंध में नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। मामले की सुनवाई भिवंडी अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय में स्पेशल केस नंबर 59/2023 के तहत हुई। न्यायाधीश एन. के. कारंडे की अदालत में सरकारी पक्ष की ओर से एडवोकेट सी. बी. नवले और एडवोकेट वी. एम. मुंडे ने प्रभावी ढंग से पैरवी की।नारपोली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कादबाने और पुलिस निरीक्षक ज्ञानेश्वर कदम के मार्गदर्शन में जांच अधिकारी पीएसआई एम.बी.कतूर, कोर्ट पैरवी अधिकारी हेड कांस्टेबल शर्मा, सांबरे, पाटिल तथा महिला पुलिस सिपाही सगाठिया द्वारा प्रस्तुत किए गए ठोस सबूतों को अदालत ने मान्य किया। अदालत ने आरोपी को पॉक्सो अधिनियम के तहत दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास के साथ 5 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में आरोपी को 6 महीने का अतिरिक्त साधारण कारावास भी भुगतना होगा। उल्लेखनीय है कि पिछले 15 दिनों के भीतर भिवंडी अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने पॉक्सो कानून के तहत दर्ज दो मामलों में दोषियों को सजा सुनाई है। इन कड़े फैसलों से आम नागरिकों ने राहत और संतोष व्यक्त किया है। लोगों का मानना है कि ऐसे कठोर न्यायिक निर्णयों से अपराधियों में कानून का भय पैदा होगा और नाबालिगों के खिलाफ होने वाले जघन्य अपराधों पर अंकुश लगेगा।

धूल से खांसी-श्वसन रोग बढ़े, जनता में आक्रोश

तोड़क कार्रवाई के बाद सफाई से मुंह मोड़ बैठी मनपा, शहर में बढ़ा वायु प्रदूषण

महीनों से सड़क किनारे पड़ा मलबा नहीं उठा, अतिक्रमण भी जस का तस

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका द्वारा सड़क विस्तारीकरण के तहत की गई तोड़क कार्रवाई के बाद सफाई व्यवस्था को लेकर भारी उदासीनता सामने आ रही है। कार्रवाई के महीनों बीत जाने के बावजूद मनपा न तो सड़कों पर फैले मलबे को हटा पाई है और न ही मार्गों को अतिक्रमण मुक्त किया गया है। इसके चलते शहर में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर तक बढ़ गया है और नागरिकों में प्रशासन के खिलाफ गहरा रोष व्याप्त है। मलबे से उड़ती धूल और मिट्टी के कारण शहरवासियों का सड़क पर चलना दूभर हो गया है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धूल के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या भी गंभीर होती जा रही है।

गौरतलब है कि नवंबर 2025 में मनपा प्रशासन ने अंजुरफाटा से कल्याण नाका तक ट्रैफिक दबाव कम करने और मेट्रो लाइन-5 के कार्य को गति देने के उद्देश्य से सड़क विस्तारीकरण के तहत व्यापक तोड़क कार्रवाई की थी। इस दौरान मुख्य मार्ग के दोनों ओर 36 मीटर तक अतिक्रमण हटाते हुए कुल 351 बाधित मिलकतों पर हथौड़ा चलाया गया था। कई नागरिकों ने मनपा के नोटिस के बाद अपने दुकान और मकान स्वयं ध्वस्त किए थे। लेकिन कार्रवाई के करीब दो महीने बाद भी कल्याण नाका से धामनकर नाका के बीच सड़क के दोनों ओर मलबे के ढेर जस के तस पड़े हैं। यही मलबा अब उड़कर वायु प्रदूषण बढ़ा रहा है और लोगों के स्वास्थ्य पर सीधा असर डाल रहा है। समाजसेवक देवानंद गौड, संतोष राय, जावेद खान, चर्चिन सुतार आदि ने बताया कि सड़कों पर उड़ती धूल के कारण बाइक और अन्य वाहनों से चलना बेहद मुश्किल हो गया है। सड़क किनारे फैली मिट्टी लोगों की आंखों, नाक, कान और मुंह में घुस रही है, जिससे महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और छात्राओं में खांसी और श्वसन संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं। हालात ऐसे हैं कि लोग मजबूरी में मुंह पर रुमाल बांधकर आवाजाही कर रहे हैं। नागरिकों का आरोप है कि मनपा प्रशासन नागरिकों के स्वास्थ्य को लेकर पूरी तरह लापरवाह है। नियमित सफाई और मलबा न उठाए जाने से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। इतना ही नहीं, सड़क किनारे रहने वाले लोगों के घरों और दुकानों में धूल-मिट्टी की मोटी परतें जम गई हैं। लोगों का यह भी कहना है कि मनपा ने बिना किसी ठोस योजना के तोड़क कार्रवाई की। ठेकेदार नियुक्त न किए जाने के कारण मलबा हटाने का काम ठप पड़ा है। वहीं तोड़क कार्रवाई के बाद अतिक्रमण और बढ़ गया है। इस मार्ग पर भंगार व्यवसायियों द्वारा सड़क पर वाहन खड़े कर दिए जाने से आए दिन भीषण ट्रैफिक जाम लग रहा है। आरोप है कि इन पर न तो यातायात पुलिस का दबाव है और न ही मनपा का कोई भय।शहरवासियों ने मनपा प्रशासन से सड़क किनारे फैले मलबे को तत्काल हटाने और अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

'इस संबंध में मनपा अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त विक्रम दराडे से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। वहीं उपायुक्त बालकृष्ण क्षीरसागर ने सफाई देते हुए कहा कि मनपा कर्मचारी चुनावी ड्यूटी में व्यस्त होने के कारण मलबा नहीं उठाया जा सका। उन्होंने आश्वासन दिया कि फरवरी की शुरुआत से तोड़क कार्रवाई के मलबे को हटाने का काम शुरू कर दिया जाएगा।'

शहरवासियों के लिए आर्थिक राहत का अवसर

भिवंडी मनपा ने शुरू किया 'अभय योजना' का तीसरा चरण, संपत्ति कर पर 100% ब्याज माफी

1 फरवरी से 31 मार्च 2026 तक बकाया संपत्ति कर भरने वाले करदाताओं को मिलेगा पूर्ण ब्याज माफी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका प्रशासन ने शहरवासियों को राहत देने के उद्देश्य से 'अभय योजना 2025-2026 (टप्पा-छ्छ)' की घोषणा की है। इस योजना के तहत मनपा के बकाया संपत्ति कर का भुगतान करने वाले करदाताओं को विलंब शुल्क (शास्ती/ब्याज) में भारी छूट दी जा रही है।

पॉलिसी के अनुसार, 1 फरवरी 2026 से 31 मार्च 2026 के बीच संपूर्ण बकाया संपत्ति कर का भुगतान करने वाले नागरिकों को 100इ ब्याज माफी का लाभ मिलेगा। इससे पहले जनवरी माह में यह छूट केवल 50इ तक सीमित थी। मनपा प्रशासन का कहना है कि इस योजना का उद्देश्य दोहरा है – एक ओर शहर के विकास के लिए आवश्यक राजस्व जुटाना और दूसरी ओर नागरिकों को आर्थिक बोझ से मुक्त करना। योजना का लाभ उठाने के लिए

करदाताओं को तय समय सीमा के भीतर कर का भुगतान करना अनिवार्य होगा। नगर पालिका की टैक्स विभाग ने बताया कि योजना के तहत करदाताओं को किसी भी प्रकार की अतिरिक्त प्रक्रिया में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। करदाता मनपा कार्यालय या ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आसानी से भुगतान कर सकते हैं। इस योजना को लेकर प्रशासन ने सभी करदाताओं से अपील की है कि वे विलंब न करें और समय पर कर का भुगतान कर अपनी संपत्ति को जुर्माने और ब्याज से मुक्त करें।

भिवंडी मनपा के उपायुक्त (टैक्स) बालकृष्ण क्षीर सागर ने कहा, 'अभय योजना का तीसरा चरण नागरिकों के लिए आर्थिक राहत का अवसर है। यह योजना शहर के बकाया कर वसूली में भी सहायक होगी और विकास कार्यों के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने में मदद करेगी। हम उम्मीद करते हैं कि अधिकतम नागरिक इस योजना का लाभ उठाएंगे।' योजना के लागू होने के बाद मनपा ने करदाताओं को मार्गदर्शन के लिए हेल्पलाइन नंबर और ऑनलाइन भुगतान प्रक्रिया की जानकारी भी उपलब्ध कराई है। इस कदम को प्रशासन ने शहरवासियों की सुविधा और वित्तीय राहत सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया है।

मुख्य बिंदुः

योजना अवधिः 1 फरवरी 2026 से 31 मार्च 2026

लाभः संपत्ति कर पर 100इ ब्याज माफी

पात्रः बकाया संपत्ति कर का भुगतान करने वाले सभी नागरिक

उद्देश्यः नागरिकों को आर्थिक राहत और नगर विकास के लिए राजस्व जुटाना

भुगतानः मनपा कार्यालय या ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से

इस योजना के माध्यम से मनपा प्रशासन का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक नागरिक समय पर अपने बकाया कर का भुगतान करें और शहर के विकास कार्यों में सहयोग दें।

तेज रफ्तार कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल, चालक फरार

नाशिक-मुंबई हाईवे पर दिवा गांव के पास हादसा, दोनों पैरों के पंजे कुचले; नारपोली पुलिस जांच में जुटी

भिवंडी।भिवंडी अंतर्गत नाशिक-मुंबई हाईवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार कंटेनर ने पीछे से मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बाइक चालक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि कंटेनर चालक बिना पुलिस को सूचना दिए मौके से फरार हो गया। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुट गई है।

पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना 29 जनवरी 2026 को दोपहर करीब 12.30 बजे दिवा गांव के पास आर.सी. पाटील बंगले के सामने उड़ानपुल के नजदीक हुई। टेमघर पाड़ा, भिवंडी निवासी अमर युवराज मेटे (25) अपनी मोटरसाइकिल (एमएच 04 केटी 2971) से ठाणे की ओर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे कंटेनर (एनएल 01 जेजे 3516) के चालक ने लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाते हुए बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अमर मेटे सड़क पर गिर पड़ा और कंटेनर का अगला पहिया उसके दोनों पैरों के पंजों के ऊपर से गुजर गया। हादसे में उसके दाहिने पैर के पंजे में फ्रैक्चर हो गया, जबकि बाएं पैर के पंजे में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद कंटेनर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घायल युवक की शिकायत पर नारपोली पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं सहित मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस फरार चालक की तलाश कर रही है।

किराया और बिजली विवाद ने लिया हिंसक मोड़, भिवंडी में दो गुट आमने-सामने

डायमंड पैलेस बिल्डिंग में महिलाओं-बच्चों से मारपीट, 17 पर क्रॉस केस दर्ज

भिवंडी।भिवंडी शहर के नवीवस्ती इलाके में किराया और बिजली के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। डायमंड पैलेस बिल्डिंग में कुछ ही घंटों के अंतराल में दो अलग-अलग घटनाओं में महिलाओं, बच्चों और पुरुषों के साथ मारपीट किए जाने से पूरे इलाके में तनाव का माहौल व्याप्त हो गया है। दोनों मामलों में भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में 17 महिला-पुरुषों के खिलाफ क्रॉस केस दर्ज किया गया है, हालांकि अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पुलिस के अनुसार, डायमंड पैलेस बिल्डिंग की फ्लैट मालकिन सलमा खातुन बबुदीन खान (39) और उनके किरायेदार आजम चौधरी व उनकी पत्नी नसरीन चौधरी के बीच लंबे समय से किराया बकाया को लेकर विवाद चल रहा था। 29 जनवरी की शाम करीब 4 बजे सलमा खातुन ने किराया न देने पर किरायेदार से कमरा खाली करने को कहा। इसी बात से नाराज होकर नसरीन चौधरी ने अपने परिजनों और 10 से 12 बुर्काधारी महिलाओं को बुलाकर अवैध रूप से भीड़ इकट्ठा की। आरोप है कि इस भीड़ ने सलमा खातुन के घर में जबरन घुसकर गाली-गलौज की और लात-घूंसों से सलमा खातुन तथा उनकी दो बेटियों के साथ मारपीट की। इस दौरान एक बेटी के बाल पकड़कर घसीटते हुए पीटने का भी आरोप है। जब महिला के पति बबुदीन मो. इलियास खान बीच-बचाव के लिए पहुंचे, तो उनके साथ भी आजमल चौधरी, अकबर चौधरी, अशरफअली चौधरी और दो अज्ञात व्यक्तियों ने हाथापाई की। इस मामले में पुलिस ने 10 नामजद आरोपियों समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

इसी दिन दोपहर करीब 2.30 बजे इसी इमारत में दूसरी घटना घटी। पीड़िता रूबिया आजम चौधरी (28) अपने घर में भोजन कर रही थीं, तभी आरोप है कि उनके मकान मालिक बहुदिन की पत्नी ने उनका बिजली कनेक्शन काट दिया और घर में घुसकर गाली-गलौज शुरू कर दी। जब रूबिया ने दरवाजा बंद करने की कोशिश की, तो बहुदिन, उनके भाई रियाज सिराज और समशाद सहित 2 से 3 अज्ञात महिलाएं जबरन घर में घुस आईं। आरोप है कि बहुदिन की भाभी और अन्य महिलाओं ने रूबिया के साथ मारपीट की और उन्हें जबरन घर से बाहर धक्का देकर निकाल दिया। इस मामले में भी भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।लगातार हुई इन दो हिंसक घटनाओं के बाद नवीवस्ती इलाके में दहशत और तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पुलिस द्वारा अब तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी न किए जाने से स्थिति और बिगड़ सकती है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और हालात पर नजर बनाए हुए है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग का शोषण, भिवंडी पुलिस ने आरोपी को दबोचा

कामतघर इलाके की घटना, पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज पीड़िता की मां की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई

भिवंडी। भिवंडी शहर में नाबालिग लड़कियों के खिलाफ बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बीच एक गंभीर मामला सामने आया है। शादी का झांसा देकर नाबालिग लड़की का लंबे समय तक शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से इलाके में कुछ हद तक राहत का माहौल है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिनेश चंद्रभूषण रस्तोगी (22) के रूप में हुई है, जो कामतघर इलाके का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने नाबालिग लड़की के भोलेपन का फायदा उठाते हुए उसे शादी का झांसा दिया और 23 अगस्त 2023 से 20 नवंबर 2025 के दौरान अपने घर में बार-बार उसका शारीरिक शोषण किया।

इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ, जब पीड़ित नाबालिग की मां ने 27 जनवरी को भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया और उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है और मामले की आगे की जांच जारी है। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने एक बार फिर नाबालिगों की सुरक्षा और समाज में जागरूकता की आवश्यकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ऑस्ट्रेलिया पर जीत को लेकर पाकिस्तान पीएम के पोस्ट पर तंज, पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने उड़ाया मजाक

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। 2026 टी20 वर्ल्ड कप से पहले क्रिकेट के मैदान के बाहर बयानबाज़ी और सोशल मीडिया बहस तेज़ हो गई है। भारत और पाकिस्तान के बीच पुरानी प्रतिद्वंद्विता अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी साफ़ दिखाई दे रही है। इसी बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के एक पोस्ट ने नया विवाद खड़ा कर दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल में मिली जीत पर उनकी तारीफ को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने तीखा और व्यंग्यात्मक जवाब दिया, जो देखते ही देखते चर्चा का विषय बन गया।

पाकिस्तान द्वारा ऑस्ट्रेलिया को पहले टी20 आई में हराने के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ट्विटर पर टीम की खुलकर सराहना की। उन्होंने न सिर्फ खिलाड़ियों की तारीफ की, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की लीडरशिप को भी जीत का श्रेय दिया। शरीफ ने इसे 'देश के लिए गर्व का पल' बताया, जिससे यह पोस्ट तुरंत वायरल हो गया। हालांकि, कई क्रिकेट फैंस और विशेषज्ञों को यह प्रतिक्रिया कुछ ज़्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर लग रही थी।

पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा, जो अपने बेबाक विश्लेषण के लिए जाने जाते हैं, ने इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए 'पूरे सम्मान

के साथ' शब्दों का इस्तेमाल किया, लेकिन संदेश बेहद तीखा था। चोपड़ा ने याद दिलाया कि पाकिस्तान ने जिस ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया, वह उनकी फुल-स्ट्रेंथ टीम नहीं थी। उन्होंने लिखा कि यह ऑस्ट्रेलिया की बी टीम के खिलाफ एक द्विपक्षीय मुकाबला था, जिसमें कई बड़े नाम मौजूद नहीं थे।

चोपड़ा ने अपने जवाब में यह भी गिनाया कि ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज़ में अपने कई स्टार खिलाड़ियों के बिना खेल रहा है। पैट कमिंस, जोश हेज़लवुड, ग्लेन मैक्सवेल, टिम डेविड और नाथन एलिस जैसे खिलाड़ी फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण टीम का हिस्सा नहीं थे। यहां तक कि नियमित कप्तान मिशेल मार्श भी पहला मैच नहीं खेल पाए, जिसके चलते ट्रैविस हेड को कप्तानी सौंपी गई।

आकाश चोपड़ा ने सिर्फ टीम कॉम्बिनेशन ही नहीं, बल्कि मैच के नतीजे पर भी सवाल खड़े किए। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 168/8 का स्कोर बनाया और ऑस्ट्रेलिया को 146/8 पर रोक दिया। चोपड़ा के मुताबिक, कम स्कोर वाले मुकाबले में 20-22 रन की जीत को 'शानदार प्रदर्शन' या 'देश के लिए गर्व का पल' कहना थोड़ा अतिशयोक्ति भरा है।

इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज़ हो गई। कुछ फैंस ने चोपड़ा के तर्क का समर्थन किया, जबकि पाकिस्तान समर्थकों ने प्रधानमंत्री के उत्साह को सही ठहराया। यह विवाद एक बार फिर दिखाता है कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि बयान और प्रतिक्रियाएं भी उतनी ही सुर्खियां बटोरती हैं।

संजू सैमसन की फॉर्म पर सुरेश रैना का साफ मैसेज, टी20 वर्ल्ड कप में बताई जीत की कुंजी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारियों के बीच भारतीय क्रिकेट को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई हैं। इसी कड़ी में भारत के पूर्व स्टार बल्लेबाज और वर्ल्ड कप विजेता सुरेश रैना ने टीम इंडिया के संभावित कॉम्बिनेशन पर खुलकर अपनी राय रखी है। खास तौर पर उन्होंने संजू सैमसन की मौजूदा फॉर्म को लेकर बड़ा बयान दिया है। रैना का मानना है कि खराब आंकड़ों के बावजूद सैमसन जैसे खिलाड़ी को लगातार मौके देना भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

सुरेश रैना ने साफ कहा कि संजू सैमसन की हालिया फॉर्म पर जरूरत से ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है। जनवरी 2025 के बाद से उनका औसत भले ही 20 से नीचे रहा हो, लेकिन रैना के मुताबिक क्लास कभी खत्म नहीं होती। उन्होंने टीम मैनेजमेंट को सलाह दी कि सैमसन के साथ वही धैर्य दिखाया जाए, जो एक समय सूर्यकुमार यादव के मामले में दिखाया गया था। रैना ने कहा कि जब सूर्या रन नहीं बना पा रहे थे, तब भी कप्तान और कोच ने उन पर भरोसा बनाए रखा, और नतीजा सबके सामने है।

वर्ल्ड लेजेंड्स प्रो टी20 लीग के दौरान एनडीटीवी से बातचीत में रैना ने सैमसन की स्थिति की तुलना सीधे सूर्यकुमार यादव से की। उनके अनुसार, 'लगभग एक साल तक सूर्या रन नहीं बना पाए थे, लेकिन

टीम ने उन्हें लगातार मौके दिए। वही भरोसा अगर संजू को मिला, तो वह भी मैच विनर बनकर उभर सकते हैं।' रैना का मानना है कि सैमसन का पिछला रिकॉर्ड, खासकर विदेशी दौरों पर लगाया गया शतक, उनकी क्षमता का सबूत है।

सुरेश रैना के एनालिसिस का सबसे अहम हिस्सा भारत का टॉप-4 बल्लेबाज़ी क्रम रहा। उन्होंने कहा कि यही चार बल्लेबाज़ तय करेंगे कि टीम 170 पर रुकेगी या 210 के पार जाएगी। रैना के मुताबिक, टॉप-4 का काम सिर्फ टिककर खेलना नहीं, बल्कि शुरुआती बढ़त को बड़े स्कोर में बदलना है।

रैना ने अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की ओपनिंग जोड़ी की खुलकर तारीफ की। उन्होंने उनकी निडर बल्लेबाज़ी को भारत के लिए बड़ा हथियार बताया। उनका कहना है कि यह जोड़ी पहले 10 ओवर में ही 140-150 रन बनाने या चेज़ करने की क्षमता रखती है। लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन गेंदबाज़ों पर अतिरिक्त दबाव बनाता है।

अगर शुरुआती विकेट गिरते हैं, तो नंबर-4 पर सूर्यकुमार यादव का आना गेंदबाज़ों के लिए चुनौती बन जाता है। रैना का मानना है कि सब-कॉन्टिनेंट की पिचों पर मिडिल ओवर्स में स्पिन अहम होगी। ऐसे में सूर्यकुमार यादव, रिंकू सिंह और हार्दिक पांड्या का कॉम्बिनेशन भारत को मैच में आगे ले जा सकता है।

बजट 2026-27 : राजकोषीय घाटे के बजाय ऋण-जीडीपी अनुपात के प्रबंधन पर जोर संभव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आगामी आम बजट में किसी खास राजकोषीय घाटे के आंकड़े को लक्षित करने के बजाय ऋण-जीडीपी अनुपात को कम करने पर जोर दिया जाएगा, जो इस समय लगभग 56 प्रतिशत है। ऐसा इसलिए है क्योंकि देश एफआरबीएम कानून में दिए गए राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के मार्ग के लगभग अंत तक पहुंच गया है। भारत जैसी बढ़ती और विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए 3-4 प्रतिशत का राजकोषीय घाटा सहज और उचित माना जाता है, जिसका उद्देश्य वित्तीय स्थिरता के साथ आर्थिक विस्तार को संतुलित करना है।

संशोधित राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम के तहत, 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी के 4.5 प्रतिशत से नीचे रखा गया था। इसलिए, केंद्र सरकार ने ऋण-जीडीपी अनुपात को एक नया मानक घोषित किया है। अगले छह साल का मसौदा एक फरवरी, 2025 को जारी एफआरबीएम वक्तव्य में घोषित किया गया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई, 2024 के अपने बजट भाषण में कहा था, ''मेरे द्वारा 2021 में घोषित राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के मार्ग ने हमारी अर्थव्यवस्था की बहुत अच्छी सेवा की है, और हमारा लक्ष्य अगले वर्ष घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे लाना है। सरकार इस पथ पर बने रहने के लिए प्रतिबद्ध है।''

उन्होंने कहा था कि 2026-27 के बाद से ''हमारा प्रयास प्रत्येक वर्ष राजकोषीय घाटे को इस तरह रखने का होगा कि केंद्र सरकार का ऋण, जीडीपी के प्रतिशत के रूप में घटते क्रम पर रहे।'' यह कठोर वार्षिक राजकोषीय लक्ष्यों के बजाय अधिक पारदर्शी और परिचालन रूप से लचीले राजकोषीय मानकों की ओर बदलाव को प्रोत्साहित करता है। इसे राजकोषीय प्रदर्शन के अधिक विश्वसनीय माप के रूप में भी मान्यता दी गई है, क्योंकि यह पिछले और वर्तमान वित्तीय निर्णयों के मिलेजुले प्रभावों को दर्शाता है।

तीन दिनों की तेजी के बाद शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 600 अंक गिरा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईटी शेयरों में गिरावट और एक फरवरी को बजट पेश होने से पहले सावधानी के कारण शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट हुई। बाजार में पिछले तीन दिनों से तेजी का रुख था।

शुरुआती कारोबार में विदेशी निवेशकों की निकासी और वैश्विक शेयर बाजारों में कमजोर रुख ने भी बाजार की धारणा को प्रभावित किया। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 619.06 अंक गिरकर 81, 947.31 पर आ गया।

दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 171.35 अंक गिरकर 25, 247.55 पर था। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में टाटा स्टील, एचसीएल टेक, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एनटीपीसी और टेक महिंद्रा में उल्लेखनीय गिरावट हुई। दूसरी ओर मारुति, आईटीसी, एशियन पेंट्स और इंटरग्लोब एविएशन बढ़त दर्ज करने वाले शेयरों में शामिल थे।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.39 प्रतिशत गिरकर 69.73 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 393.97 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2, 638.76 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

24 घंटे में बदला बाजार का मूड! रिकॉर्ड ऊंचाई के बाद चांदी और सोने की कीमतों में ऐतिहासिक गिरावट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वायदा कारोबार में शुक्रवार को चांदी और सोने की कीमतों में पिछले कुछ महीनों में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। बाजार के आंकड़ों से पता चला कि सोने और अन्य धातुओं में भारी बिकवाली का दबाव है, और एमसीएक्स आईकॉमडेक्स सूचकांकों में भी व्यापक कमजोरी झलक रही है। सोने और चांदी की कीमतों में दिनभर में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिसके बाद उनमें मामूली स्थिरता आई, जो कमोडिटी बाजार में बढ़ी हुई अस्थिरता को दर्शाता है।

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुझानों और अमेरिकी मुद्रा में तेजी के कारण चांदी का वायदा भाव 17 प्रतिशत घटकर 3.32 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गया, जबकि सोना नौ प्रतिशत गिरकर 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। मल्टी कमोडिटी

एक्सचेंज (एमसीएक्स) में, मार्च माह में डिलिवरी वाले चांदी वायदा का भाव 67, 891 रुपये, या 16.97 प्रतिशत घटकर 3, 32, 002 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया, जो एक दिन में इसकी सबसे बड़ी गिरावट है।

बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत लगभग नौ प्रतिशत बढ़कर 4, 20, 048 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद यह 3, 99, 893 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। इसी तरह, सोने के वायदा भाव में भी गिरावट आई क्योंकि निवेशकों ने जिंस एक्सचेंज में भारी मुनाफावसूली की। इसके फरवरी माह में डिलिवरी वाले अनुबंध की कीमत 15, 246 रुपये, या नौ प्रतिशत टूटकर 1, 54, 157 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। बृहस्पतिवार को, सोने की कीमत लगभग नौ प्रतिशत बढ़कर 1, 80, 779 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद एमसीएक्स पर यह 1, 69, 403 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई।

मध्य रेल

निविदा सूचना

Tender Notice No. CWE/MTN/85265089/2026 due on 27.02.2026, निविदा नं.: 85265089 निविदा विवरण: मेधा डिजाइन के अनुसार वीबी/ट्रेन सेट कोचों के लिए बॉटम कवर सहित कंट्रोल आर्म। क्रमांक 1) डी–ए675यूवी2–135408 संशोधन–04–1 क्रमांक 2) सीए675यूवी2–135409 संशोधन–01–1 क्रमांक उपरोक्त आइटम सेट के रूप में निर्मित और आपूर्ति किए जाएंगे। विशेष शर्तः परिवहन के दौरान क्षति से बचने के लिए उचित पैकिंग की जानी चाहिए। **मात्रा: 128 Set नियत तारीख: 27.02.2026 राशि:** रु. 65,09,824/- **DE-861**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

पंजाब की धुंध में फिर उलझी हत्या की गुत्थी बरुण सोबती के साथ मोना सिंह की जबरदस्त एंट्री

मुंबई। नेटफ्लिक्स की बहुचर्चित और समीक्षकों द्वारा सराही गई इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर 'कोहरा' अपने दूसरे सीजन के साथ वापसी कर रही है। हाल ही में रिलीज हुए 'कोहरा 2' के ट्रेलर ने इंटरनेट पर सनसनी फैला दी है। इस बार कहानी जगराना से निकलकर दलेरपुरा के खलिहानों में पहुंच गई है, जहाँ रहस्यों की परतें पहले से कहीं ज्यादा गहरी और इमोशनल होने वाली हैं। नए सीज़न के केंद्र में पूजा भमर्रा द्वारा निभाई गई एक महिला की हत्या है, जिसका शव उसके भाई के खलिहान में मिलता है, जिससे पूरा शहर शक और छिपे हुए सच के जाल में फंस जाता है। सीजन 2 की कहानी एक महिला (पूजा भमर्रा) की हत्या के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका शव उसके अपने ही भाई के खलिहान में मिलता है। यह हत्या पूरे शहर को शक के घेरे में खड़ा कर देती है।

कोहरा सीज़न 2 में असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर अमरपाल गरूंडी की वापसी

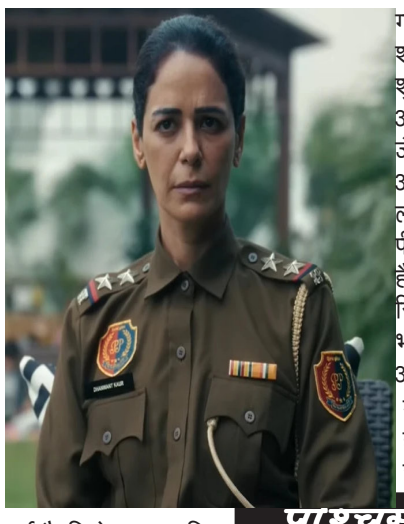

गहराई में जाते हैं, जांच न केवल शहर के रहस्यों को उजागर करना शुरू कर देती है, बल्कि उनकी अपनी पर्सनल कमजोरियों को भी। जैसे-जैसे आधिकारिक प्रक्रियाएं आगे बढ़ती हैं, संदिग्धों की सूची लगातार बढ़ती जाती है, जिसमें पीड़ित महिला का पति भी शामिल है, जिसका किरदार रणविजय सिंघा ने निभाया है, जबकि उसका भाई, जिसका किरदार अनुराग अरोड़ा ने निभाया है, खुद को मामले में और गहराई से फंसा हुआ पाता है। ट्रेलर सीज़न के लिए माहौल तैयार करता है, जो एक परेशान करने वाली लेकिन दिलचस्प कहानी का वादा करता है। बरुण सोबती, जो अमरपाल गरूंडी की भूमिका निभा रहे हैं, ने शेयर किया, 'गरूंडी इस सीज़न में नई शुरुआत करने की उम्मीद के साथ शुरू करता है, लेकिन कोहरा जैसी दुनिया में, अतीत कभी पीछा नहीं छोड़ता। इस बार रहस्य ज़्यादा घना और ज़्यादा परतदार है, और यह जटिलता गरूंडी की अपनी यात्रा में भी झलकती है। वह ज़्यादा आत्मनिरीक्षण करने वाला, ज़्यादा सतर्क है, और लगातार अपने फैसलों के साथ तालमेल बिठा रहा है। सीज़न 2 ने मुझे एक एक्टर के तौर पर नए तरीकों से चुनौती दी, और मैं दर्शकों के इस दुनिया में लौटने और यह अनुभव करने के लिए उत्साहित हूँ कि कहानी कैसे आगे बढ़ती है।' मोना सिंह, जो धनवंत कौर के रोल में कास्ट में शामिल होंगी, ने कहा, 'कोहरा की दुनिया में कदम रखना रोमांचक और थोड़ा डरावना दोनों था, क्योंकि इसे बहुत सोच-समझकर लिखा गया है।

हुई है, जिसे एक बार फिर बरुण सोबती ने निभाया है, लेकिन इस बार एक अनजान इलाके में। गरूंडी जगराना में अपनी जड़ों से दूर चला गया है और एक नई कमांडिंग ऑफिसर, सब-इंस्पेक्टर धनवंत कौर, जिसका किरदार मोना सिंह ने निभाया है, के तहत नई शुरुआत करता है।

जैसे-जैसे दोनों अधिकारी मामले की

यूरोपीय संघ के साथ एफटीए से भारतीय निर्यातकों को मिलेगा बड़ा बाजार : मूडीज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मूडीज रेटिंग्स ने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यापार समझौता भारत को अपने व्यापारिक संबंधों में विविधता लाने में मदद करेगा। साथ ही अमेरिकी शुल्कों के कारण बढ़ती अनिश्चितता के बीच निर्यातकों को व्यापक बाजार तक पहुंच मिलेगी। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की घोषणा 27 जनवरी को की गई थी। इसके इसी साल हस्ताक्षरित और लागू होने की संभावना है। मूडीज ने कहा, ''भारत के लिए, यह समझौता व्यापारिक संबंधों को चुनिंदा रूप से विविधतापूर्ण बनाने के उसके प्रयासों को दर्शाता है। साथ ही यह अमेरिका के शुल्क बढ़ाने से पैदा होने वाली व्यापारिक अस्थिरता के खिलाफ बचाव प्रदान करता है।'' इसमें कहा गया कि यूरोपीय संघ के लिए यह समझौता तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार तक पहुंच बढ़ाकर आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करता है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि एफटीए लागू होने के बाद यह व्यापार की मात्रा बढ़ाने, व्यापार प्रवाह के विविधीकरण को प्रोत्साहित करने और स्थिर बाजार पहुंच देने में मदद करेगा और यह दोनों पक्षों की साख के लिए सकारात्मक होगा।

पश्चिम रेलवे

इलेक्ट्रिकल (पावर) काम

Sr.DEE/P/BCT ई-टेंडर नोटिस नंबरः EL-81-43-72-WA-70 Dt.27-01-2026 आमंत्रित करता है। **काम और स्थानः** अमलनेर-अमलनेर में इलेक्ट्रॉनिक इन-मोशन वे ब्रिज (EIMWB) लगाने के संबंध में इलेक्ट्रिकल (पावर) काम। **काम की अनुमानित लागतः** 9,59,871/-.EMDः 19,200/-.**जमा करने की तारीख और समयः** 26.02.2026 तक, 15:00 बजे। **खोलने की तारीख और समयः** 26.02.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 1058

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सालाना मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट

डिप्टी चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (W), वेस्टर्न रेलवे कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई 400 013, ई-टेंडर नोटिस नंबरः EL/WA/PL/2025-26/25R1 तारीखः 23.01.2026 आमंत्रित करते हैं। **काम का नामः** लोअर परेल कैरिज वर्कशॉप की मशीनों में स्थापित विभिन्न निर्माताओं के वीवीवीएफ तथा वीएफडी ड्राइव्स के लिए कार्यक्षेत्र के अनुसार तीन वर्षों का समग्र वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध। **काम की अनुमानित लागतः** 19,52,593.20 रुपये। EMDः 39,100/-। **टेंडर जमा करने की आखिरी तारीख और समयः** 20.02.2026 तक 12:00 बजे। **टेंडर खोलनाः** 20.02.2026 को 12:30 बजे। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 1057

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

इलेक्ट्रिकल काम

डिप्टी चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (W), वेस्टर्न रेलवे कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई 400 013, ई-टेंडर नोटिस - नंबरः EL/WA/PL/2025-26/38R तारीखः 27.01.2026 जारी करते हैं। **काम का नामः** कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, लोअर परेल में मौजूदा 750V D&ED को 1000V D&ED में अपग्रेड करना, साथ ही चूहों के प्रवेश से सुरक्षा के लिए D&ED के लिए क्लीट असेंबली की सप्लाई और इंस्टॉलेशन और स्विच बोर्ड कैबिनेट के खराब हो चुके निचले दरवाजों को बदलना। **काम की अनुमानित लागतः** 48,05,668/- रुपये। **EMD:** 96,100/- रुपये। **टेंडर जमा करने की आखिरी तारीख और समयः** 17.02.2026 तक, 12:00 बजे। **टेंडर खोलनाः** 17.02.2026 को 12:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 1059

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना क्रमांकः NIT/01/26/06 दिनांक 29.01.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, मध्य रेलवे निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई–निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र. सं.	निविदा क्र.	विवरण	मात्रा	नियत तिथि
1.	42264260	रोलर बेयरिंग के लिए पिछला कवर	4028 नग	16.02.2026
2.	42260037	रबर सैंडविच युनिट	404 सेट	18.02.2026
3.	36261904	पोर्सिलेन स्टे–आर्म इंसुलेटर	1765 नग	12.02.2026
4.	38253489ए	उन्नत उच्च क्षमता वाले ड्राफ्ट गियर	1092 नग	17.02.2026
5.	38253375ए	FIAT बोगी के लिए ठोस या खोखले पिन	11425 नग	18.02.2026
संरचना वाला एक्सल बॉक्स पिवट बुश, ड्राइंग संख्या 1247488, वैकल्पिक aR1 के अनुसार, तकनीकी विनिर्देश संख्या 17.359 100 03 के साथ जून 2019 के संशोधन संख्या 1 के साथ।				
6.	51256053	60 किलोग्राम रेल के लिए सीएमएस क्रॉसिंग 1 इन 12 की आपूर्ति के लिए रनिंग कॉन्ट्रेक्ट आरडीएसओ डीआरजीटी–4220	1600 सेट	05.03.2026
7.	43254077	TIP असेंबली के साथ कॉन्टेक्ट पिन	2540 नग	19.02.2026
8.	51256055	आरडीएसओ ड्राइंग संख्या आरडीएसओ/	2500 सेट	18.03.2026
टी–8838 के अनुसार, 60 किलोग्राम (यूआईसी) रेल के लिए थिक वेब स्विच एक्सपेंशन जॉइंट हेतु प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपरों के निर्माण और आपूर्ति के लिए रनिंग कॉन्ट्रेक्ट है।				

नोटः उपरोक्त सभी निविदाएं ई–निविदाएं हैं और सभी निविदाकारों से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां IREPS वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें। उपर्युक्त निविदाओं और अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया IREPS वेबसाइट पर जाएं। **DE-864**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

पश्चिम रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों के फेरे का विस्तार

ट्रेन नंबर	शुरू होने वाला स्टेशन और गंतव्य	चलने के दिन	तक बढ़ाया गया
09085	मुंबई सेंट्रल - इंदौर (त्रि-साप्ताहिक)	सोमवार, बुधवार और शुक्रवार	27.02.2026
09086	इंदौर - मुंबई सेंट्रल (त्रि-साप्ताहिक)	मंगलवार, गुरुवार और शनिवार	28.02.2026
09057	सूरत - मंगलुरु (द्वि-साप्ताहिक)	बुधवार और रविवार	25.02.2026
09058	मंगलुरु - सूरत (द्वि-साप्ताहिक)	गुरुवार और सोमवार	26.02.2026

ट्रेन नंबर 09057 सूरत - मंगलुरु 19:40 बजे के बजाय 19:35 बजे सूरत से रवाना होगी।
ट्रेन नंबर 09058 मंगलुरु - सूरत 22:10 बजे के बजाय 22:30 बजे मंगलुरु से रवाना होगी।

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं।

ट्रेन नंबर 09085, 09086 और 09057 की बढ़ी हुई ट्रिप के लिए बुकिंग 31.01.2026 से सभी PRS काउंटरों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। ऊपर बताई गई ट्रेनें स्पेशल किराए पर स्पेशल ट्रेन के तौर पर चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us & Follow us on:
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

कृपया सभी रिज़र्व टिकटों के लिए ओरिजिनल आईडी प्रूफ साथ रखें।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभाग : हाइड्रोलिक अभियंता विभाग
पत्र क्रमांक : E.E.M.)M.W./ 8151 / अनुरक्षण दिनांक : 29/1/26

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा पात्र निविदादारों से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा प्रारंभ दिनांक एवं समय तथा निविदा समाप्ति दिनांक एवं समय का विवरण बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट के निविदा अनुभाग तथा महाटेंडर पोर्टल पर उपलब्ध विस्तृत निविदा सूचना में दिया गया है।

अ.क्र.	बोली संख्या	कार्य का नाम
1.	2026_MCGM_1270631_1	A.E.(Maint) W.W. W.S. साउथ सेक्शन के तहत H & K वार्ड के वाटर सप्लाई नेटवर्क में पानी की मेन लाइनों के प्रेशर को मॉनिटर करने के लिए ग्लिसरीन से भरे प्रेशर गेज की सप्लाई। निविदा प्रारंभ दिनांकः 30/01/2026 निविदा अंतिम दिनांकः 13/02/2026

इच्छुक निविदादार निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in तथा महाटेंडर पोर्टल की वेबसाइट http://mahatenders.gov.in पर अवश्य विज़िट करें।

ई.ई.मैकेनिकल (दक्षिण)

पीआरओ/2828/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने तुगलकाबाद जंक्शन केबिन (दिल्ली क्षेत्र)-पलवल सेक्शन पर कवच प्रणाली के इंस्टॉलेशन का निरीक्षण किया

तुगलकाबाद जंक्शन केबिन (दिल्ली क्षेत्र)-पलवल सेक्शन में कवच प्रणाली को सफलतापूर्वक चालू किया गया

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने तुगलकाबाद जंक्शन केबिन (दिल्ली क्षेत्र) से पलवल सेक्शन पर स्वदेशी कवच प्रणाली (ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम) के इंस्टॉलेशन का निरीक्षण किया। चार लाइन वाले इस (35 किमी) सेक्शन में 152 मेन लाइन ट्रैक किलोमीटर हैं। उत्तर रेलवे ने इस कॉरिडोर के पूरे हिस्से में कवच प्रणाली स्थापित की है, जिसमें प्रमुख स्टेशन यार्ड, ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम वाली दो मेन लाइनें तथा एब्सोल्यूट ब्लॉक सिग्नलिंग वाली दो लाइनें शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान कवच प्रणाली से जुड़े पाँच परीक्षण किए गए:

सिग्नल पासिंग एट डेंजर परीक्षण: लोको पायलट ने कवच को जाँचने के लिए रेड सिग्नल पार करने का प्रयास किया, जिस पर कवच प्रणाली ने सिग्नल से पहले ही लोको को रोक दिया।

हेड ऑन कोलिजन परीक्षण: दो लोको को एक ही लाइन पर रखा गया, कवच प्रणाली ने निर्धारित दूरी से काफी पहले ही लोको को रोक दिया।

रियर एंड कोलिजन परीक्षण: इस परीक्षण में लोको के पीछे की ओर फिसलने की स्थिति उत्पन्न की गई, कवच प्रणाली ने पीछे से टक्कर से बचाने के लिए लोको को पीछे जाने से रोक दिया।

लूप लाइन ओवरस्पीड परीक्षण: ट्रायल के दौरान लोको 120 kmph की गति से लूप लाइन में गया, कवच प्रणाली ने गति को 20 kmph तक सीमित कर दिया।

लेवल क्रॉसिंग प्रोटेक्शन परीक्षण: इस परीक्षण में फाटक खुला होने की स्थिति उत्पन्न की गई, जिसमें कवच प्रणाली ने लोको को फाटक से पहले ही रोक दिया।

इस अवसर पर श्री अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि यह कमीशनिंग भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त और उच्च घनत्व वाले कॉरिडोरों में से एक पर एक बड़ा संरक्षा उन्नयन है, जो दिल्ली उपनगरीय और लंबी दूरी के रेल नेटवर्क को कवर करता है। यह सेक्शन यात्री, उपनगरीय और मालगाड़ियों के लिए अत्यधिक यातायात वाला है। इस सेक्शन पर कवच प्रणाली की कमीशनिंग से परिचालन संरक्षा, विश्वसनीयता और यात्रियों का भरोसा काफी बढ़ गया है। कवच एक उन्नत ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, जिसे आत्मनिर्भर भारत पहल के अंतर्गत देश में ही विकसित किया गया है। कवच आपात परिस्थितियों में रेलगाड़ियों में ब्रेक लगाकर रेल परिचालन को और अधिक सुरक्षित बनाता है। यह प्रणाली स्वतः सिग्नल पासिंग एट डेंजर, आमने-सामने तथा पीछे से होने वाली टक्करों के खतरों से बचाव करती है। इसके अलावा, ओवरस्पीडिंग पर निरंतर निगरानी रखकर उसे नियंत्रित किया जाता है तथा कम दृश्यता और खराब मौसम में भी संरक्षा सुनिश्चित की जाती है।

कवच, SIL-4 संरक्षा मानकों के अनुरूप कार्य करने वाली विश्व की सबसे उच्च स्तर की संरक्षा प्रणालियों में से एक है। देश में डिज़ाइन किया गया और किफायती होने के कारण यह आयातित तकनीक पर निर्भरता कम करता है और भारतीय सिग्नलिंग उद्योग को प्रोत्साहन देता है।

भारतीय रेलवे चरणबद्ध तरीके से कवच प्रणाली का विस्तार कर रही है, जिससे लाखों यात्रियों के लिए सुरक्षित, भरोसेमंद रेल परिचालन और सुरक्षित रेल यात्रा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ हो रही है।

यह कमीशनिंग सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारतीय रेलवे की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

मस्जिदों के लाउडस्पीकरों से बच्चों की पढ़ाई डिस्टर्ब? भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य ने की कार्रवाई की मांग

जयपुर **(एजेंसी)**। राज्य में मस्जिदों के लाउडस्पीकरों से बच्चों की पढ़ाई में खलल पड़ने का मुद्दा भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य ने उठाया। गुरुवार को विधानसभा में शून्यकाल के दौरान बालमुकुंदाचार्य ने जयपुर शहर की मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकरों की तेज़ आवाज़ कम करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सुबह 4 बजे से ही तेज़ आवाज़ शुरू हो जाती है, जिससे नींद में खलल पड़ता है और बुजुर्गों व बीमार लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, जो उनके अधिकारों का उल्लंघन है। नियम 295 के तहत यह मुद्दा उठाते हुए बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि मस्जिदों के लाउडस्पीकरों से निकलने वाली तेज़ आवाज़ बच्चों की पढ़ाई में खलल डालती है। उन्होंने बताया कि सुबह 4 बजे से ही तेज़ आवाज़ शुरू हो जाती है, जिससे ध्वनि प्रदूषण के कारण बुजुर्गों और बीमार लोगों को परेशानी होती है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि लोगों की नींद में खलल पड़ रहा है, जो उनके अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने दावा किया कि जब स्थानीय निवासियों ने लाउडस्पीकरों की आवाज़ कम करने का अनुरोध किया, तो कुछ लोग हिंसक हो गए। उन्होंने सरकार से मस्जिदों में लाउडस्पीकरों की आवाज़ को नियंत्रित करने और कम करने तथा ध्वनि सीमा का सख्ती से पालन कराने का आग्रह किया। इससे पहले, आगामी बजट सत्र से पहले, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सदन के सुचारू और प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई। अध्यक्ष ने बजट सत्र के महत्व पर जोर दिया और सभी राजनीतिक दलों के बीच रचनात्मक बहस और सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने विभिन्न दलों के नेताओं से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की है और अब आम सहमति बनाने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है। देवनानी ने एएनआई को बताया कि बजट सत्र विधानसभा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सार्थक चर्चा और रचनात्मक सुझावों के लिए मैंने सभी सदस्यों से व्यक्तिगत रूप से बात की है और 27 तारीख को सर्वदलीय बैठक भी बुलाई है। अध्यक्ष ने सार्वजनिक मुद्दों को उठाने में विपक्ष की भूमिका पर जोर दिया और कहा कि सरकार को इन मामलों पर उचित प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि सदन के नियमों के अनुसार चर्चा करने पर किसी भी बहस को रोका नहीं जाएगा।

भारत पहुंची ड्रग्स की बड़ी खेप

अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 2.77 करोड़ का गांजा जब्त, विदेशी यात्री गिरफ्तार

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। राज्य के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को बैंकॉक से आए एक यात्री से 2.77 करोड़ रुपये मूल्य का गांजा बरामद किया गया। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया यह जानकारी दी। अनुसार, आरोपी को मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत है।

हालांकि, अभी उजागर नहीं की विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अधिकारियों ने बैंकॉक से आए एक यात्री को रोका और उसके सामान में छिपाकर रखा गया 7.92 किलोग्राम गांजा बरामद किया।' अधिकारियों के अनुसार जब्त किए गए गांजे की कीमत 2.77 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है।

तस्करी के आरोप में गया। अधिकारियों ने अधिकारियों के स्वापक औषधि एवं (एनडीपीएस) गिरफ्तार किया गया आरोपी की पहचान गई है। सीमा शुल्क

सोनम वांगचुक को जोधपुर जेल के पानी से पेट दर्द, संक्रमण की बात कहकर पत्नी ने लगाई याचिका

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने उन आरोपों का खंडन किया कि उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा था कि यदि लद्दाख के लोगों की मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे युद्ध के दौरान भारतीय सेना की मदद नहीं करेंगे या उन्होंने हिंदू देवी-देवताओं के बारे में अपमानजनक बातें कही थीं। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और पी बी वराले की पीठ के समक्ष यह दलील दी, जो राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत उनकी हिरासत को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर सुनवाई कर रही है। न्यायमूर्ति कुमार ने सिबल से कहा कि हिरासत में लेने वाले अधिकारियों ने एक डिजिटल

प्लेटफॉर्म पर दिए गए उनके साक्षात्कार का हवाला दिया है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि 'किसी भी क्षेत्र को जनमत संग्रह के लिए जहां चाहे जाने की छूट है और यदि राज्य का दर्जा देने की मांग और भारतीय संविधान की छठी अनुसूची पूरी नहीं की जाती है, तो लद्दाख के लोग युद्धकाल में भारतीय सेना की मदद नहीं करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की विशेषज्ञ डॉक्टर से मेडिकल जांच कराने का निर्देश दिया। वांगचुक ने पानी की खराब गुणवत्ता के कारण पेट से जुड़ी समस्याओं की शिकायत की थी। 59 वर्षीय सोनम वांगचुक इस समय जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। जस्टिस अरविंद कुमार की अगुवाई वाली बेंच ने जेल प्रशासन को यह भी निर्देश दिया कि वांगचुक की मेडिकल रिपोर्ट सोमवार तक सीलबंद लिफाफे में अदालत में पेश की जाए। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अदालत को बताया कि उन्हें साप्ताहिक जांच की सुविधा दी जाए और जो पानी हम उपलब्ध कराते हैं, वही उन्हें दिया जाए। इस पर राजस्थान सरकार के वकील ने कहा कि पिछले चार महीनों में जेल डॉक्टर उनकी 21 बार जांच कर चुके हैं।

इसके बावजूद, शीर्ष अदालत ने कहा कि वांगचुक को गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट जैसे किसी विशेषज्ञ डॉक्टर की जांच की आवश्यकता है। राजस्थान सरकार के वकील ने अदालत को यह भी बताया कि वांगचुक को विटामिन बी12 लेने की सलाह दी गई है और उनकी ताज़ा मेडिकल रिपोर्ट में कोई गंभीर समस्या सामने नहीं आई है। वहीं, सोनम वांगचुक ने गुरुवार को उन आरोपों का खंडन किया कि उन्होंने 'अरब स्प्रिंग' की तरह सरकार को उखाड़ फेंकने वाला बयान दिया था। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ के समक्ष यह तर्क दिया कि पुलिस ने हिरासत में भेजने वाले प्राधिकारी को गुमराह करने के लिए चुनिंदा विडियो का सहारा लिया है।

चीन को ताइवान का एक और झटका! कैंपस नेटवर्क पर टिकटॉक समेत 6 ऐप्स किए गए बैन

ताइपे **(एजेंसी)**। शिक्षा मंत्रालय ने कहा है कि कैंपस के इंटरनेट नेटवर्क डिजिटल मामलों के मंत्रालय द्वारा सुरक्षा खतरों के रूप में वर्गीकृत छह चीनी एप्लिकेशनों तक पहुंच को प्रतिबंधित करेंगे।

ताइवान के डिजिटल मंत्रालय ने पिछले महीने घोषणा की थी कि ये ऐप सूचना सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं और लोगों से अपनी डिजिटल सुरक्षा का ध्यान रखने का आग्रह किया था। इस चेतावनी का जिक्र करते हुए, शिक्षा मंत्रालय ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि टिकटॉक पर हानिकारक सामग्री होस्ट करने के लिए कई देशों द्वारा जुर्माना भी लगाया गया है। शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि वह आधिकारिक उपकरणों पर इन छह एप्लिकेशनों को डाउनलोड करने, इंस्टॉल करने और उपयोग करने पर रोक लगाएगा और स्कूलों और मंत्रालय एजेंसियों में टीएनेट और आईताइवान हॉटस्पॉट सहित कैंपस नेटवर्क पर भी इन तक पहुंच को ब्लॉक करेगा।

टीएनेट शिक्षा मंत्रालय द्वारा छात्रों और शिक्षकों को प्रदान की जाने वाली एक निःशुल्क नेटवर्क सेवा है। ताइपे टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान में देश भर में 9, 000 से अधिक हॉटस्पॉट हैं, जिनका संचालन डिजिटल मामलों के मंत्रालय द्वारा किया जाता है। शिक्षा उप मंत्री चू चुन-चांग ने कहा कि यह कदम साइबर सुरक्षा प्रबंधन अधिनियम और बाल एवं किशोर कल्याण एवं अधिकार संरक्षण अधिनियम के तहत कैंपस नेटवर्क को सुरक्षित करने के लिए शिक्षा मंत्रालय के प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा कि मंत्रालय 2014 से ही कैंपस नेटवर्क को अनुचित सामग्री से नियमित रूप से सुरक्षित कर रहा है। ताइपे टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने कहा कि स्कूलों को शिक्षण गतिविधियों में उच्च जोखिम वाले अनुप्रयोगों का उपयोग करने से बचना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी शैक्षिक सामग्री उपयुक्त हो।

मंत्रालय ने कक्षा में उपयोग के लिए अपनी मीडिया और साहित्यिक शिक्षा वेबसाइट पर उपलब्ध दो डेटाबेस की ओर भी इशारा किया, जिनमें से एक शियाओहोंग्शु पर और दूसरा लघु-रूप सामग्री पर केंद्रित है। चू ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य की निगरानी करना और उन्हें ऑनलाइन जीवन और वास्तविक दुनिया के बीच स्वस्थ संतुलन बनाए रखने में मार्गदर्शन देना महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि मंत्रालय युवाओं के लिए बेहतर शिक्षण और विकास का माहौल बनाने के लिए स्कूलों और अभिभावकों के साथ सहयोग जारी रखेगा, जैसा कि ताइपे टाइम्स की रिपोर्ट में बताया गया है।

पाकिस्तान में वकील इमान मजारी को जेल, यूरोपीय संघ ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर घेरा, इस्लामाबाद की फजीहत

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। यूरोपीय संघ ने सोशल मीडिया पोस्ट के लिए दो मानवाधिकार वकीलों को सजा सुनाए जाने पर चिंता व्यक्त की और इसे लोकतांत्रिक सिद्धांतों के लिए एक झटका बताया। समा टीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने इस आलोचना को खारिज करते हुए इसे आंतरिक कानूनी मामला बताया।

यूरोपीय संघ ने मानवाधिकार वकीलों इमान मजारी-हाजिर और हादी अली चत्था को दोषी ठहराए जाने के बाद पाकिस्तान की निंदा की। यूरोपीय संघ ने कहा कि यह फैसला उन लोकतांत्रिक सिद्धांतों के विपरीत है जिनका पालन करने का पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वचन दिया है। मजारी और उनके पति चत्था को पिछले शुक्रवार को अदालत में सुनवाई के लिए जाते समय हिरासत में लिया गया था। बाद में उन्हें पाकिस्तान के इलेक्ट्रॉनिक अपराध निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर दो सप्ताह की न्यायिक हिरासत में भेज दिया

गया। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि दंपति ने एक्स पर ऐसी सामग्री साझा की थी जो कथित तौर पर जातीय विभाजन को बढ़ावा देती थी और पाकिस्तान की सेना को आतंकवाद में शामिल होने के रूप में दर्शाती थी। दोनों वकीलों ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी पोस्ट वैध अभिव्यक्ति की श्रेणी में आती हैं। समा टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय संघ के विदेश मामलों और सुरक्षा नीति के प्रवक्ता अनवर अल अनौनी ने कहा कि यह दोषसिद्धि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और वकीलों की स्वतंत्रता को कमजोर करती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये सिद्धांत न केवल मूलभूत लोकतांत्रिक मूल्य हैं बल्कि पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों का भी हिस्सा हैं।

पाकिस्तान यूरोपीय संघ की जनरलाइज्ड स्कीम ऑफ प्रेफरेंसेस प्लस (जीएसपीप्लस) के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक है, जो अधिकांश यूरोपीय बाजारों में शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करती है। इसके बदले में, लाभार्थी देशों को मानवाधिकार, श्रम अधिकार, पर्यावरण संरक्षण और सुशासन से संबंधित 27 अंतरराष्ट्रीय समझौतों का पालन करना अनिवार्य है। पाकिस्तान की जीएसपीप्लस स्थिति की पहले भी समीक्षा की जा चुकी है। समा टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2021 में यूरोपीय संसद ने धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा, मीडिया की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध और व्यापक मानवाधिकार संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए तत्काल पुनर्मूल्यांकन का आग्रह करने वाला एक प्रस्ताव पारित किया था।

ट्रंप की धमकियों से करीब आए ईरान-तुर्किये!

इस्तांबुल पहुंचे ईरानी विदेश मंत्री अराघची, शुरू की गुप्त रणनीतिक बातचीत

अंकारा **(एजेंसी)**। मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के खतरे और अमेरिका की कड़ी चेतावनियों के बीच ईरान और तुर्किये ने कूटनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची गुरुवार को इस्तांबुल पहुंचे, जहां वे तुर्किये के शीर्ष नेतृत्व के साथ अहम और संवेदनशील बातचीत करने वाले हैं। इस्तांबुल पहुंचने के बाद अराघची ने कहा कि क्षेत्र की स्थिति बेहद नाजुक है, ऐसे में ईरान और तुर्किये के बीच सामान्य से कहीं अधिक संवाद हो रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा आगे बढ़ाए जा रहे लक्ष्यों ने दोनों देशों को आपसी समन्वय बनाए रखने के लिए मजबूर किया है।

तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान पहले ही अराघची से मुलाकात कर चुके हैं। यह बातचीत ऐसे समय हो रही है, जब अंकारा खुद को अमेरिका और ईरान के बीच संभावित सैन्य टकराव रोकने वाले मध्यस्थ के रूप में पेश कर रहा है। तुर्किये लंबे समय से क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने की बात करता रहा है।यह दौरा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उन धमकियों के बाद हो रहा है, जिनमें उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और 'आर्माडा' (युद्धपोतों का बेड़ा) भेजने की बात कही थी। अमेरिका पहले ही फारस की खाड़ी में अपने युद्धपोत और लड़ाकू विमान तैनात कर चुका है।

दौरे के दौरान अराघची की तुर्की राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से भी मुलाकात प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि इस बैठक में ईरान पर अमेरिकी दबाव, इज़राइल की भूमिका, गाजा युद्ध और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा होगी। विश्लेषकों के मुताबिक, ईरान और तुर्किये दोनों नहीं चाहते कि अमेरिका के साथ टकराव खुली जंग में बदले।

किर्गिस्तान का बड़ा कदम

भारत से पशु उत्पादों के आयात पर लगाई रोक, कहा-खतरा बहुत है

बिश्केक **(एजेंसी)**। किर्गिस्तान ने निपाह वायरस के खतरे के मद्देनजर भारत से जानवरों और पशु उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक और दूसरे सबसे बड़े शहर ओश के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर आने वाले यात्रियों की जांच भी कड़ी कर दी गई है। रूस की समाचार एजेंसी तास के अनुसार, 'भारत में फैल रहे निपाह वायरस को देखते हुए बिश्केक और ओश आने वाली सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के यात्रियों के लिए सख्त संक्रमण नियंत्रण उपाय लागू किए गए हैं।' किर्गिस्तान के जल संसाधन, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की प्रेस सेवा ने कहा कि ये कदम भारत में निपाह वायरस के प्रकोप को ध्यान में रखते हुए उठाए गए हैं। बिश्केक के मानस हवाई अड्डे पर आने वाले सभी यात्रियों की विशेष कंप्यूटरों के जरिए तापमान जांच की जा रही है। बुधवार को किर्गिस्तान के अधिकारियों ने भारत से जानवरों और पशु उत्पादों के आयात पर औपचारिक रूप से रोक लगा दी। किर्गिस्तान के मंत्रालय ने यह भी कहा कि निपाह वायरस जानवरों से इंसानों में फैल सकता है।

युद्ध की कगार पर मिडल ईस्ट! ट्रंप ने ईरान की ओर बढ़ाए युद्धपोत, तेहरान बोला-पूरी ताकत से देंगे जवाब

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। मिडल ईस्ट इस समय युद्ध की कगार पर खड़ा दिखाई दे रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब खुली सैन्य टकराव की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम और देश के भीतर जारी विरोध प्रदर्शनों को लेकर दबाव बढ़ाते हुए युद्धपोतों को ईरान के नजदीक भेजने का फैसला किया है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि यह कदम ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर लगाम लगाने और तेहरान पर रणनीतिक दबाव बनाने के लिए उठाया गया है। लेकिन ईरान ने इस तैनाती को सीधे युद्ध की धमकी करार देते हुए स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिका ने हमला किया तो वह 'पूरी ताकत से' जवाब देगा।

ईरानी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि किसी भी अमेरिकी हमले से केवल ईरान ही नहीं, बल्कि पूरा मध्य पूर्व युद्ध की आग में झुलस सकता है। तेहरान का कहना है कि वह आत्मरक्षा में न केवल जवाबी कार्रवाई करेगा, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर भी प्रतिक्रिया होगी, जिससे एक चेन रिएक्शन शुरू हो सकता है। इस संकट के बीच तुर्किये मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहा है, जबकि इज़राइल और सऊदी अरब वॉशिंगटन पर दबाव बना रहे हैं कि ईरान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इज़राइल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपने अस्तित्व के लिए खतरा बताता रहा है, वहीं सऊदी अरब भी क्षेत्र में ईरानी प्रभाव को सीमित करना चाहता है।

विश्लेषकों का मानना है कि मौजूदा हालात में एक भी गलत फैसला या सैन्य चूक पूरे क्षेत्र को पूर्ण पैमाने के युद्ध में धकेल सकती है। पहले से ही गाजा युद्ध, यमन संकट और लेबनान-इज़राइल तनाव से जूझ रहा मध्य पूर्व अब एक और बड़े टकराव की दहलीज पर खड़ा है। ईरान की ओर से यह भी संकेत दिया गया है कि अमेरिका की सैन्य धमकियों का उद्देश्य केवल परमाणु कार्यक्रम नहीं, बल्कि ईरान के भीतर जारी सरकार-विरोधी आंदोलनों को कमजोर करना भी है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालय: 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)